

झारखंड में जुलाई माह में होगी अच्छी बारिश

रांची: झारखंड में जुलाई माह में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने नौ जुलाई तक राज्य के लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही कई जगहों पर 30-40 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि जुलाई माह की शुरूआत अच्छी बारिश से हुई है। राज्य के तीन-चार जिलों को छोड़ शेष सभी जिलों में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई है। झारखंड में तीन जुलाई तक सामान्य से 80 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। इधर, पांच जुलाई को राज्य के उत्तरी जिले देवघर, धनबाद, गोड्डा, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के कुछ इलाकों में भारी बारिश की आशंका है। साथ ही इन इलाकों में 30-40 किमी की गति से हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से हल्के दर्जे की बारिश दर्ज की गई। वहीं पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में 69.6 मिमी रिकॉर्ड की गई। इस दौरान रांची में सात मिमी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.6, 32.6, 33.3, 33.1 और चाईबासा में तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड आयेंगे अर्जुन मेघवाल, नए अधिवक्ताओं को देंगे लाइसेंस

नवप्रदेश, रांची: केंद्रीय कानून और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रविवार को एक दिवसीय दौरे पर झारखंड आएंगे। केंद्रीय मंत्री नई दिल्ली से रांची आएंगे और यहां से हेलीकॉप्टर से धनबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान उनके साथ रक्षा राज्य मंत्री सह रांची में कार्यरत संजय सेठ भी मौजूद रहेंगे। धनबाद में दोनों मंत्री झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अधिवेशन में शामिल होंगे। धनबाद में कार्यक्रम के बाद दोनों मंत्री रांची आएंगे। वहां होटल रामदा में अर्जुन राम मेघवाल का भव्य नागरिक अभिनंदन झारखंड स्टेट कार्डसिल्ट, अधिवक्ता परिषद, चेंबर ऑफ कॉमर्स, मारवाड़ी युवा मंच सहित विभिन्न सामाजिक



संस्थाओं की ओर से किया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नए वकीलों को लाइसेंस भी प्रदान करेंगे। इसके साथ ही मेडिकल एड का चेक भी दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश से बड़ी संख्या में अधिवक्ता भी शामिल होंगे। इसके अलावे

कार्यक्रम में एक परिचर्चा का भी सत्र रखा गया है, जिसमें नागरिक अधिवक्ता और अन्य सामाजिक प्रतिनिधि केंद्रीय मंत्री से विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासा रखेंगे और उसका समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि केंद्रीय कानून और संसदीय कार्य मंत्री का अभिनंदन रांची के नागरिक करेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।कार्यक्रम को लेकर पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारु, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, व्यावसायी पवन बजाज, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, बार काउंसिल के राजेंद्र कृष्ण, मुकेश की ओर से तैयारी की जा रही है।

मुहर्रम को लेकर रांची के ट्रैफिक में किया गया बदलाव

रांची : मुहर्रम को लेकर राजधानी रांची के ट्रैफिक में छह जुलाई को बदलाव किया गया है। यह बदलाव छह जुलाई को सुबह 10 बजे से जुलूस की समाप्ति तक लागू रहेगा। इस संबंध में ट्रैफिक एसपी ने शुक्रवार आदेश जारी कर दिया है। **इन सड़कों पर वाहनों का परिचालन पर रहेगा रोक:**
➔ किशोरी यादव चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर चौक होकर शहीद चौक में परिचालन बंद रहेगा।
➔ शहीद चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर चौक के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बन्द रहेगा।
➔ सुभाष चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर के तरफ वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।
➔ कचहरी चौक से शहीद चौक,



अल्बर्ट एक्का चौक में में सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।
➔ चडरी तालाब से अल्बर्ट एक्का चौक की ओर आने वाले वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।
➔ प्लाजा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।

एचईसी में ठेका कामगारों से काम पर लौटने की अपील

नवप्रदेश, रांची : हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (इटक) के महामंत्री लीलाधर सिंह ने ठेका कामगारों से काम पर लौटने की अपील करते हुए कहा है कि अपने और एचईसी के हित में वक्त रहते यूनियन के अनुरोध पर काम पर लौटें। उन्होंने कहा कि यूनियन पहले भी ठेका कामगारों की कई मांगें बिना किसी आंदोलन के टेबल टॉक के जरिए पूरी करवा चुकी है और आगे भी आपकी लॉबिंग मांगों को पूरा कराने के लिए प्रतिबद्ध है। लीलाधर सिंह ने बताया कि यूनियन ने ठेका कामगारों के लिए सप्लाई बनवाई, बैंक के माध्यम से वेतन भुगतान सुनिश्चित कराया, आवास हेतु क्वार्टर आर्बिट करवाया, अर्जित, आकरिमक, वॉर्रिफ और राष्ट्रीय अवकाश जैसी सुविधाएं दिलवाई। इसके अलावा वेतन पुरोरीक्षण और पांच ग्रेड में श्रमिकों का वर्गीकरण भी करवाया गया।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय नेता राणा संग्राम सिंह के नेतृत्व में हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन ने हमेशा संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान किया है। लेकिन जब-जब आंदोलन हुए हैं, नुकसान केवल ठेका कामगारों की हुआ है। आंदोलन या हड़ताल से रोटी नहीं मिलती, रोटी मिलती है औद्योगिक उत्पादन से। लीलाधर ने आंदोलन को भड़काने वाले तत्वों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग श्रमिकों को भड़का कर एचईसी को बंदी की ओर धकेल रहे हैं। ये लोग न तो आपके हितैषी हैं और न ही उद्योग के उन्हींने कहा।

प्रबंधन को मजबूर न करने की चेतावनी देते हुए लीलाधर ने कहा कि संसदीय समिति ने एचईसी के पुनरुद्धार की प्रक्रिया को गति दे दी है। स्टेट बैंक को बैंक गांटी और ब्याज मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 16 जुलाई को दिल्ली तलब

किया गया है। इसके साथ ही यूनियन ने सभी पंजीकृत श्रम संगठनों-चाहे वे मान्यताप्राप्त हों, केंद्रीय या स्थानीय-को एक मुद्रित प्रश्नावली भेजी है और उनसे हस्ताक्षरित उत्तर देने को कहा गया है। लीलाधर सिंह ने दो दृक कहा कि ऐसे संवेदनशील समय में ठेका कामगारों की हठधर्मिता को इतिहास माफ नहीं करेगा।

उन्होंने सभी ठेका कामगारों से अपील की कि वे शनिवार शाम पांच बजे वीर कुंवर सिंह चौक स्थित यूनियन कार्यालय में होने वाली बैठक में भाग लें। हड़आपके हर सवाल का जवाब मिलेगा, उन्होंने आश्वस्त किया। इस बैठक में यूनियन पदाधिकारी गिरीश कुमार चौहान, सुधीर कुमार मिश्र, बिमल सिंह, शशिभूषण पांडेय, राजेश कुमार सिंह, भरत प्रसाद और टी.ए. खान समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

एचईसी में ठेका कामगारों से काम पर लौटने की अपील

रांची : मुहर्रम को लेकर राजधानी रांची के ट्रैफिक में छह जुलाई को बदलाव किया गया है। यह बदलाव छह जुलाई को सुबह 10 बजे से जुलूस की समाप्ति तक लागू रहेगा। इस संबंध में ट्रैफिक एसपी ने शुक्रवार आदेश जारी कर दिया है। **इन सड़कों पर वाहनों का परिचालन पर रहेगा रोक:**
➔ किशोरी यादव चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर चौक होकर शहीद चौक में परिचालन बंद रहेगा।
➔ शहीद चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर चौक के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बन्द रहेगा।
➔ सुभाष चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर के तरफ वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।
➔ कचहरी चौक से शहीद चौक,

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने स्वामी विवेकानंद को याद किया
नवप्रदेश, रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर शुक्रवार को लिखा है कि जन-जन के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। स्वामी विवेकानंद जी का व्यक्तित्व, आदर्श और विचार हमें सदैव सेवा और समर्पण की राह दिखाते रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्र चेतना को विश्व पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

सफाई कर्मचारियों साथ एनएसयू आई ने मनाया स्थापना दिवस



नवप्रदेश, रांची : नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का स्थापना दिवस शुक्रवार को सफाई कर्मचारियों साथ मनाया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक आरुभी वंदना ने सफाई कर्मचारियों को भोजन, पानी और मिठाई का वितरण किया गया। मौके पर एनएसयूआई को नए आयाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नौ अप्रैल 1971 को केरल छात्र संघ

और पश्चिम बंगाल छात्र संघ परिषद को मिलाकर एनएसयूआई छात्र संगठन की स्थापना की थी। तब से हर वर्ष नौ अप्रैल को एनएसयूआई का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस दौरान उन्होंने इंदिरा गांधी को याद करते हुए कहा कि 1971 में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से स्थापित यह संगठन पांच दशकों से छात्र राजनीति में है। यह संगठन एक प्रेरणादायी स्तम्भ के रूप में कार्यरत है।

समर्पण शाखा की कार्यकारिणी की बैठक में कार्यक्रमों पर चर्चा



रांची : समर्पण शाखा के सत्र (2025 26) की तीसरी कार्यकारिणी बैठक शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में शुक्रवार को हुई। बैठक में शाखा अध्यक्ष ने अनुपस्थिति और गणपूर्ति की सूचना दी। मौके पर शाखा अध्यक्ष ने स्वागत संबोधन किया और शाखा सचिव ने जुन माह की रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत सावन सिंधारा, सावन मेला, बाबा श्रृंगार, गी सेवा से सम्बंधित कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की

गई। शाखा अध्यक्ष ने शाखा सदस्यों से वार्षिक शुल्क जल्द से जल्द देने के लिए आग्रह किया। ताकि संस्था का कार्य सुचारु रूप से हो सके। कार्यकारिणी की बैठक में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष विनिता सिंघनिया, पूर्व अध्यक्ष विनिता बिहानी, पूर्व अध्यक्ष कंवन सोमानी, पूर्व अध्यक्ष मीना टाईवाला, पूर्व अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्वेता भाला, शुभा अग्रवाल, रिंतु पोद्दार, सरिता बख्वाल, कोमल पोद्दार, कविता सोमानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थी।

प्रोन्नति और एजीपी को लेकर प्रभारी कुलपति से मिला संघ



नवप्रदेश, रांची : रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और फुटाज फेडरेशन ऑफ युनिवर्सिटी टिचर्स एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्कालधान में वर्ष 2008 बैच के शिक्षकों का एक शिष्टमंडल रांची विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो डीके सिंह से मिलकर अपनी समस्याओं की जानकारी शुक्रवार को दी। मौके पर शिष्टीमंडल ने प्रभारी कुलपति से 2008 बैच के शिक्षकों की प्रोन्नति और एजीपी छह हजार और सात हजार रुपए करने की मांग की। शिष्टमण्डल में डॉ समीरा सिन्हा

कुलपति के समक्ष मांगों को विस्तार से बताया। वहीं डॉ मोहित कुमार लाल ने प्रोन्नयति से संबंधित नियमावलि्यों का हवाला देते हुए त्वरित कार्यवाही का आग्रह किया। मौके पर प्रभारी कुलपति ने कहा कि वे शिक्षकों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे हर स्तर पर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि 2008 बैच के शिक्षकों की प्रोन्नति और एजीपी छह और सात हजार रुपए करने में संबंधित प्राधिकार को पत्र लिखेंगे।

कृषि मंत्री ने की विमल लकड़ा से अस्पताल में मुलाकात



नवप्रदेश, रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने शुक्रवार को रांची के दीपाटोली स्थित वयूरेस्टा अस्पताल में इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा से मुलाकात की। उन्होंने लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी पत्नी कांति बा और समाजसेवी अमिल अभिताभ पन्ना से घटना की विस्तृत

जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने चिकित्सकों से विमल लकड़ा के इलाज संबंधी जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए कहा कि वे जल्द ही अपने परिवार के बीच स्वस्थ होकर लौटें, यही कामना है।

पुल से नीचे गिरी बोलेरो गाड़ी, सात घायल

नवप्रदेश, खूंटी: तोरपा थाना क्षेत्र के तोरपा-करा रोड पर शुक्रवार को एक बोलेरो गाड़ी(जेएच 01डीडी 6875) अनियंत्रित होकर छता नदी पुल के नीचे गिर गई। इससे बोलेरो पर सवार सात लोग घायल हो गये। घायलों में वाहन चालक सुरज गोप (थाना इटकी, कुरगी, सेमरा निवासी), दिनेश गौड़ रामगढ़, सुथारपुर, बिरजीजिया तोपनो, जकरियस तोपनो, संतोष तोपनो, उसेलां तोपनो और तीन चर्षाय बच्ची अनन्या शामिल हैं। सभी कामडारा थाना क्षे के पोजे बड़काटोली गांव के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस से तोरपा सदर अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों के अनुसार उसेलां को गंभीर चोट लगी है, लेकिन सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जाती है। चालक सुरज गोप ने बताया कि वह अपने दोस्त दिनेश गौड़ के साथ गुरवार को पोजे आया था।

नर्सिंग कौशल कॉलेज द्वारा मांडर कॉलेज में नि:शुल्क जाँच शिविर का आयोजन



नवप्रदेश, चांहो : चांहो स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज के सौजन्य से मांडर कॉलेज, मांडर में शुक्रवार को एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ब्लड प्रेशर, वजन और ब्लड शुगर की जांच की गई। मौके पर ही नर्सिंग कौशल कॉलेज को 2023 बैच की छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, जैसे व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली और रोगों की रोकथाम के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही इच्छुक उम्मीदवारों के लिए झारखंड कंवाइंड एंट्रेस कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन बोर्ड (खउएउएइ) के नि:शुल्क पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई । इस शिविर में 150 छात्र छात्राओं ने अपना स्वास्थ्य जांच और 30 छात्राओं ने खउएउएइ के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। मौके पर नर्सिंग कॉलेज से डीन लेफ्टिनेंट कर्नल रिनग्धा प्रामाणिक, मिस बर्षा एवं मांडर कॉलेज के प्राचार्य डॉ कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, डॉ के पी शाही, प्रो गांवा तिग्मा, डॉ अनसेलम मिंज, डॉ पवन कुमार दास, डॉ जयप्रकाश जकज, डॉ नीलम कुमारी, डॉ चांदनी कुमारी, डॉ ममता बड़ा, प्रो प्रिया सोरंग,प्रो मनमोहन टुडू आदि उपस्थित थे।

जन समस्याओं के समाधान हेतु उपायुक्त की अध्यक्षता में जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

नवप्रदेश, गुमला: आज शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त महोदया द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी गई तथा आवश्यक निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए।जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 20 आवेदक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से सड़क, भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, बकाया एमएसीपी का लाभ, रोजगार ,भूमि अधिग्रहण की राशि, जमीन ऑनलाइन करने के सम्बन्ध एवं शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को उपायुक्त महोदया के समक्ष रखा।कामडारा प्रखंड के तुरबुल गांव में सेविका चयन की प्रक्रिया में अनियमितता बरतने की



शिकायत की गई है। इस संबंध में उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए ।चैनपुर, आजाद नगर के ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण करने हेतु राशि आवंटन की मांग की है। इनका कहना कई वर्षों से सड़क जर्जर स्थिति में है। सड़क निर्माण की स्वीकृति प्राप्त है किंतु आवंटन के अभाव में निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। मेधा छात्रवृत्ति योजना 2022-2023* परीक्षा में उत्तीर्ण राजकीयकृत उच्चमित उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को अवतक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त

नहीं है। इस सम्बन्ध में विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष द्वारा आवेदन उपायुक्त महोदय के समक्ष दिया गया है। इस विषय में उपायुक्त ने आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिए प्रेरणा दीक्षित ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु एक सशक्त माध्यम है तथा प्रशासन को सुधें पर संवेदाशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा

चिल्ड्रन एकेडमी प्लस टू विद्यालय में मनाई गई स्वामी विवेकानंद की 123 पुण्यतिथि



नवप्रदेश, गुमला: प्रखंड क्षेत्र की र रहे स्थित चिल्ड्रन एकेडमी प्लस टू विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की 123 पुण्यतिथि शुक्रवार को मनाई गई। इस मौके पर विद्यालय की निदेशक एवं शिक्षक शिक्षकों के द्वारा स्वामी विवेकानंद की चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत विद्यालय के निदेशक विजय कुमार साहू के द्वारा छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर पर सक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला गया, वहीं श्री साहू ने कहा कि विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 ई को कोलकाता में हुआ था। स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति एवं योग के प्रचारक थे। इन्होंने 1893 ई शिकागो में विश्व धर्म महासभा में भारत का प्रति निधित्व करते हुए अपने अभिभाषण से वहां के लोगों को

प्रभावित किया था। स्वामी विवेकानंद योग और राजयोग जैसी जैसी ग्रंथों रचना की और भारत की संस्कृति और सभ्यता का नाम पूरी विश्व स्तर पर में बढ़ाने का कार्य किया। इन्होंने हमेशा ही युवाओं को प्रेरित करने का कार्य किया।

वही इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विभिन्न राष्‍ट्रों से आए के सदस्‍यों ने भी स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार रखा। इस अवसर पर मुख्‍य रूप से विद्यालय की प्रध्‍नान्‍यापिका मीना देवी शिक्षिका रीना मिंज शिक्षक नाग माइकल लकड़ा दुर्गावती कुमारी आरती कुमारी तारामणि देवी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिका योजना छात्राएं उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित, सौहार्दपूर्ण त्योहार मानने पर बल



दामोदर कसेरा खुशींद आलम उर्फ पणू सरवर आलम अफसर आलम खालिद शाह शकील खान चैनपुर चैबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी तथा शांति समिति के सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि शहरी क्षेत्रों में मुहर्रम जुलूस नहीं लगाया जाए, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में परंपराानुसार जुलूस का आयोजन होना। जुलूस वाले क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था, साफ-सफाई एवं शांति सुनिश्चित करने पर विशेष बल

दिया गया।हमामबाड़ों की सफाई, पेयजल की व्यवस्था एवं श्रावण माह और रथ यात्रा के दौरान भी साफ-सफाई तथा विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। सदस्यों ने आपसी सौहार्द पर बल देते हुए कहा कि गुमला एक गमले के समान है, जिसमें विभिन्न धर्मों के लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाते हैं। इस मौके पर रमेश कुमार चीनी ने कहा कि गुमला में सभी धर्म के लोग आपसी सद्भाव के साथ मनाते आ रहे हैं और आगे भी

मनाएँ। जबकि आशिक अंसारी प्रवक्ता अंजुमन इस्लामिया ने मोहर्रम से संबंधित बातों को विस्तार से रखते हुए साफ सफाई जल तथा बिजली की समस्या दूर करने की बात रखें वहीं राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सनातनियों का भी त्योहार संग संग है ऐसी स्थिति में पुलिस प्रशासन और शांति समिति सदस्य सतर्क रहें और त्योहार मिलकर बनाएं।उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सभी अधिकारियों एवं समिति सदस्यों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि

त्योहारों के दौरान किसी प्रकार की अफवाह या फेक न्यूज न फैलने पाए। सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ाई जाए। झड़ों की ऊंचाई लगभग 14 फीट से अधिक न हो और बिजली के तारों के अनुसार ही उनका निर्माण किया जाए। झंडे लकड़ी के हों, मेटल या आयरन के नहीं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना न रहे।नगर परिषद को शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई, फ्लैग रूट की निगरानी तथा विद्युत सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा जन वितरण प्रणाली दुकानों में भौतिक निरीक्षण किया गया



नवप्रदेश, गुमला: वाघरा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी दिनेश कुमार ने प्रखंड क्षेत्र के रूकी पंचायत के विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का किया भौतिक निरीक्षण।शुक्रवार को किया । इस दौरान पीडीएस दुकान का भौतिक सत्यापन कर दुकान का लाइसेंस, दुकान खुलने व बंद करने का समय, साप्ताहिक छुट्टी, खाद्यान्न स्टॉक रजिस्टर, टॉल फ्री नंबर आदि की जांच की गयी. इसके अलावा दुकानों की साफ-सफाई व खाद्यान्न रखे जाने की उपयुक्त जगह का भी निरीक्षण किया । दुकान स्तर पर गठित निगरानी समिति के सदस्यों का नाम व मोबाइल नंबर अंकित करने का निर्देश दिया । दीवाल लेखन एवं साफ सफाई हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा दिशा निर्देश दिया

गया एवं लबों से भी राशन समय पर मिलने की जानकारी ली गई । तथा राशन वितरकों को ससमय राशन वितरण हेतु निर्देश दिया गया । वहीं रूकी एवं पोढा के पीडीएस दुकान बंद पाया गया । इसके बाद दूरभाष के माध्यम से वितरक से

नशे के खिलाफ गुमला पुलिस की एक और बड़ी कामयाबी

गुमला : गुमला पुलिस ने तस्करी कर बिहार ले जा रहे भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस संबंध में गुमला के पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 3 जुलाई को यह गुप्त सूचना मिली थी कि गुमला बाईपास सड़क से शराब लदा एक ट्रक रांची जाने वाला है। इस सूचना पर गुमला के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश कुमार यादव के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। यह दल करीब रात साढ़े दस बजे पुगु बाईपास पहुंच कर वाहन चेकिंग करने लगा। इसी क्रम में कुछ देर बाद एक ट्रक (राजि. नंबर यूपी 25 सीटी-2916) आता दिखाई दिया। जिसे रूकने का इशारा किया गया। मगर चालक ट्रक को तेज गति से रांची की ओर भगाने लगा। पुलिस ने पीछा कर उक्त ट्रक को रोक लिया।

पर्यावरण को संरक्षण करना हमारा नैतिक जिम्मेदारी है : अहमद बेलाल अनवर



करना सिखाए, पेड़ है तो जीवन है, वही मौके पर कार्तिक उरांव कॉलेज के प्राचार्य डॉ सतीश प्रसाद ने कहा पर्यावरण हमारी माता है है और एक मां कभी भी भेदभाव नहीं करती है, इसलिए हम सबों को पर्यावरण के प्रति सजक रहना जरूरी है, पेड़ कभी भी मत काटा जाय, पेड़ से हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है, वही मौके पर लायंस क्लब गुमला के अध्यक्ष लाइन मुरली मनोहर प्रसाद ने स्वागत भाषण देते हुए कहा लायंस क्लब गुमला पर्यावरण के प्रति समर्पित है, उन्होंने कहा कि आज के पूरे लाईंस क्लब यानी कुल 90 क्लब

में इस प्रकार की एक्टिविटी की जाती है, ताकि लोग पर्यावरण के प्रति जागरूक बन सके, आज पेड़ों की कटाई बहुत ज़ोरों से है है, हमें पेड़ों की रखवाली करना बहुत जरूरी है, वही लायंस क्लब गुमला के सचिव योगेंद्र प्रसाद साहू ने कहा लायंस क्लब प्रसाद साहू के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर है, यह पूरे सप्ताह लायंस क्लब पर्यावरण संरक्षण पर कार्य करेगी, वही धन्यवाद ज्ञापन लायन पवन अग्रवाल द्वारा की गई,वही आज लायंस क्लब गुमला के द्वारा कार्तिक उराव कॉलेज के इ.ए. छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

संक्षिप्त खबरें

चैबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी ने उपाय से मिलकर गुमला की समस्याएं रखी

नवप्रदेश, गुमला : चैबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधि मंडल चैम्बर अध्यक्ष राजेश सिंह की अध्यक्षता में गुमला उपयुक्त से उनके कार्यालय में मुलाकात किए और गुमला के समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र भी सौंपा इस मांग पत्र में मुख्य रूप से दो बिंदुओं का उल्लेख किया गया है ।

गुमला शहर में वाहनों की संख्या बढ़ने की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था में दिक्कत होने लगी है इससे निजात पाने के लिए रिसाई रोड कर्सडीपा से लेकर वंडाली बाईपास तक सड़क का चौड़ीकरण करा दिया जाए जिससे वाहनों का

आवा जाही में काफी सुविधा होगी । भवन निर्माण से संबंधित दैनिक मजदूरों को पालकोट रोड में खुले में जमा रहना पड़ता है बरसात या गर्मी में काफी दिक्कत होती है इसलिए कहीं पर स्थाई मजदूर पड़ाव की व्यवस्था की जाए । मौके पर चैबर की तरफ से चैम्बर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा सचिव बबलू वर्मा पूं अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल कार्यकारणी के दिलीप गुप्ता व रितेश कुमार उपस्थित थे । इस आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी इम्रियाज मिनी ने दिया ।



नवप्रदेश, सोनाहातू : प्रखंड सभागार में शुक्रवार को बीडीओ खगेश कुमार की अध्यक्षता में खरीफ फसल को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का उद्घाटन बीडीओ खगेश कुमार,उपप्रमुख सविता देवी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी विष्णु खंडित ने संयुक्त रूप में दीप प्रज्वलित कर किया । तत्कनीकी प्रबंधक दीनानाथ भगत के द्वारा खरीफ मौसम में बोए जाने वाले बीजों के प्रकार,चयन, बीजोपचार करने मिट्टी जांच करने

एवं कृषि विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया । बीडीओ के द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का समीक्षा करते हुए कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिए । मौके पर प्रखंड के सहकारिता पदाधिकारी,मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, कृषक मित्र, प्रगतिशील किसानों एवं लैप्स के सदस्य मौजूद थे । समापन उप प्रमुख सविता देवी के द्वारा किया गया ।

राहे थाना में मुहर्रम को लेकर की गई शांति समिति की बैठक



नवप्रदेश, राहे : मुहर्रम पर्व को लेकर राहे थाना में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया । बैठक में सीओ जया शंखी मुरमु ने सभी को मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की बात कही। साथ ही आपसी भाईचारा और सामुदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की ।

पुलिस ने व्हाटसएप ग्रुप में भड़काऊ पोस्ट से बचने को कहा। मौके पर जिप सदस्य बादल महतो,उप प्रमुख उमेश महतो, एएसआई कुलदीप सिंह,अमजद अली,कासिम अंसारी,वकील आलम, बिबु टाकुर,अक्षय महतो,देवगुण महतो,संजय महतो,सुभाष महतो,आदि मौजूद थे ।

मादक पदार्थों के खिलाफ समन्वय बनाकर काम करें अधिकारी: उपायुक्त



नवप्रदेश, खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में नाकों कॉर्डिनेशन सेंटर की बैठक शुक्रवार को हुई । बैठक में उपायुक्त ने मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की । बैठक में अंचल अधिकारियों और पुलिस

विभाग के अधिकारियों की ओर से अप्रीम की खेती के मामले में की गई एफआईआर एवं अन्य कार्रवाई की जानकारी दी गई । प्रस्तुत रिपोर्ट के सभी बिंदुओं को उपायुक्त ने समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के लिए आवश्यक निर्देश दिया ।

क्रशर मेगा प्लांट से 50 लाख रुपए की सम्पति गायब करने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

नवप्रदेश, अनगड़ा : अनगड़ा थाना क्षेत्र के बनादाग स्थित क्रशर मेगा प्लांट से करीब पचास लाख रुपया की संपति गायब करने का आरोप लगाते हुए बिनोद कुमार ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है । क्रशर के एक पार्टनर बिनोद कुमार ने जयकिशोर पांडेय सहित अन्य के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है । विगत छह माह पूर्व चापुटोला, पुनदाग(रांची) निवासी जयकिशोर पांडेय पिछले छह माह से बिनोद क्रशर को भाड़ा पर संचालित कर रहा है । प्राथमिकी में कहा गया

कि एक प्राइमरी,एक सेकेंडरी मशीन ,100 एचपी का दो मोटर, बेल्ट सहित अन्य मशीनों को गायब कर दिया गया है । गायब मशीन की कीमत लगभग पचास लाख रुपया है । ज्ञात हो कि उक्त क्रशर को तीन पार्टनर बिनोद कुमार और दो अन्य पार्टनर मिलकर संचालित करते है । इसी बीच 12 जनवरी को उक्त क्रशर को भाड़ा पर दे दिया गया । इसका लीज 10 जुलाई 25 को समाप्त हो रही है । थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है ।

बाइक दुर्घटना में युवक की मौत

नवप्रदेश, अनगड़ा : हेसल रिंग रोड ओवरब्रिज आईटीआई चोक में एक तेज रफतार की बाइक अंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में बाइक सवार युवक सुरेंद्र भोगता (22) पिता सीताराम भोगता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना शुक्रवार की शाम करीब सात बजे की है । मृतक सुरेंद्र भोगता अनगड़ा थाना क्षेत्र के छोटकी गोइड़ा का रहने वाला था । गेतलसूद के एक टेंट हाउस में काम करता था। कसी दूसरे का बाइक लेकर पण्डेय सहित अन्य से गौंदलीपोखर की ओर आ रहा था। वापसी के दौरान हेसल रिंग रोड

से सट्टे सर्विस रोड से नीचे उतर रहा था इसी दौरान बनाए गए नाला के किनारे से वह टकरा गया। उसके गर्दन व पैर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही अनगड़ा थानेदार हीरालाल शाह घटनास्थल पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। इधर घटनास्थल पर पहुंचे जेएलकेएम नेता मार्शल महतो ने पनएचआई के अधिकारियों से सर्विस रोड में लाइट लगाने की मांग की है । मालूम हो कि इस ओवर ब्रिज में अबतक हुई सड़क दुर्घटना में करीब एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी है ।

भरनो थाना अंतर्गत एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल करने वाले 24 घंटे में हुआ उद्देन

नवप्रदेश, भरनो : पुलिस अधीक्षक, गुमला को सूचना मिली कि भरनो थाना अंतर्गत बरन्दा गाँव में एक व्यक्ति को गोली मार कर जख्मी कर दिया गया है तथा घायल व्यक्ति को इलाज हेतु पारस अस्पताल, राँची ले जाया गया है । उक्त घटना का त्वरित उद्भेदन एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गुमला के नेतृत्व में एक

विशेष छापामारी दल का गठन किया गया । छापामारी दल के द्वारा घायल व्यक्ति हेमन्त कुमार, उम्र करीब 32 वर्ष, पिता खं0 गोविन्द साहू, ग्राम-बरन्दा, थाना-भरनो, जिला-गुमला के फर्दबयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करते हुये घटना में शामिल हथियार एवं मोटरसाइकिल सहित घटना कारित करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया ।

9 जुलाई की राष्ट्रत्यापी आम हड़ताल के लिए संयुक्त ट्रेड यूनियनों की व्यापक तैयारियां, संघर्ष का ऐलान

नवप्रदेश। बोकारो

ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा, बोकारो की ओर से हॉट स्ट्रीप मिल कैटैन रेस्ट रूम में एक मजदूर सभा का आयोजन रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में किया गया। सभा को संबोधित करते हुए एटक के रामाश्रय प्रसाद सिंह ने केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 9 जुलाई 2025 को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को लेकर अपनी योजनाओं को बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार मजदूरविरोधी चार श्रम संहिताओं को लागू करने की कोशिशों में लगातार तेजी ला रही है। यह संहिताएं न केवल स्थायी रोजगार को खत्म करती हैं, बल्कि ट्रेड यूनियन के अधिकारों, हड़ताल के अधिकार और



सामाजिक सुरक्षा को भी छीनने की साजिश हैं। सीटू के आर के गोराई ने कहा कि हड़ताल को सेल में 21 सूत्री मांगों के साथ आयोजित किया जा

रहा है, जिसमें प्रमुख मांगें हैं: 1) चारों श्रम संहिताओं को तत्काल रद्द किया जाए, 2) सभी मजदूरों के लिए ₹26000 न्यूनतम वेतन और

₹9000 न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित हो, 3) पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए, 4) महंगाई पर रोक लगे, आवश्यक वस्तुओं से GST

हटे, 5) सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण रोक जाए, 6) यूनियन बनाने और सामूहिक सोदेबाजी के अधिकारों का सम्मान हो, 7) शिक्षा, स्वास्थ्य,

रोजगार और पानी जैसी जरूरतों की सार्वजनिक गारंटी हो। 8) 39 महीने का एरियर सेल प्रबंधन को देना होगा। 9) ग्रेच्युटी पर सीलिंग नहीं चलेगा। 10) एमओयू को एमओए बनाना होगा। एचएमएस के राजेश कुमार ने कहा कि यह हड़ताल सिर्फ एक दिन का विरोध नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष की शुरुआत है। मजदूर वर्ग अब पीछे नहीं हटेंगा। संविधान, अधिकार और रोटी की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है। सभा को एआईयूटीयूसी के सुभाष प्रमाणिक व एटक के ब्रजेश कुमार, प्राण सिंह ने भी संबोधित किया। वहीं दूसरी ओर शाम को मोर्चा की ओर से एक सभा सेक्टर 9 गेट के समक्ष आयोजित किया गया। जिसमें एटक के बी के राम, जितेंद्र शर्मा, सीटू के एन सिंह, एचएमएस के देवेंद्र सिंह दिवाकर ने संबोधित किया। अध्यक्षता आई डी प्रसाद ने किया।

भोजुडीह जंक्शन समीप खनन टीम ने किया निरीक्षण लगभग 7000 टन कोयला भंडारण को किया गया जल्ल



- झारखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम) नियमावली, 2017 के तहत की कार्रवाई

नवप्रदेश। भोजुडीह

जिले के भोजुडीह रेलवे जंक्शन के समीप खनन टीम ने लगभग 7000 टन कोयला भंडारण पाया। टीम ने झारखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम) नियमावली, 2017 के तहत कार्रवाई करते हुए उक्त कोयले को जल कर लिया है। खनन टीम ने बताया कि उक्त भंडारित कोयला रेलवे वैगन में कोयला अनलोडिंग के बाद सफाई

क्रम में एकत्रित किया गया कोयला है। जिस कार्य हेतु रेलवे द्वारा जे.एस.आर एंटरप्राइजेज को अधिकृत किया गया है। टीम द्वारा पृष्ठताछ के क्रम में यह जानकारी मिली कि उक्त कोयले का भंडारण जे.एस.आर एंटरप्राइजेज द्वारा किया जा रहा था। डीएमओ श्री रवि कुमार सिंह ने बताया कि उक्त भंडारण स्थल के लिए जे.एस.आर एंटरप्राइजेज के पास कोई वैध अनुज्ञापन (लाइसेंस) प्राप्त नहीं हुआ है। जिसके बाद टीम भंडारित कोयले को जल कर अग्रेतर कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई में खनन निरीक्षक सीताराम, पुष्कल कुमार, धर्मेन्द्र महतो मौजूद थे।

नवप्रदेश। पेटरवार

मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, योगेंद्र प्रसाद के निर्देशानुसार शुक्रवार को झामुमो जिला सचिव मुकेश महतो ने पेटरवार प्रखंड अंतर्गत कोह पंचायत के बुढ़न गोडा में 63 KVA क्षमता वाले विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया और गांव में बिजली आपूर्ति सुदृढ़ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर मुकेश महतो ने कहा कि क्षेत्र की जनता को बिजली की समस्या से निजात दिलाना और उन्हें निर्बाध बिजली मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जिसके लिए जे.एस.आर ट्रांसफार्मरों को तीव्र गति से बदला जा रहा है तथा आवश्यकता के अनुसार उनकी क्षमता भी बढ़ाई जा रही है ताकि ग्रामीणों को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सके और उनका विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में



झारखंड सरकार गांव-गांव में बिजली सुविधा पहुंचाने हेतु लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीणों ने कहा कि ट्रांसफार्मर लग जाने से अब खेती, घरेलू कामकाज और बच्चों की पढ़ाई में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर

प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण महतो, मनोज टुडू, मुखिया राजेंद्र रजवार, शिवलाल टुडू, मुकेश मुरमू, बेनीलाल हैब्रम, विशेश्वर हैब्रम, अशोक मुरमू, गुणाराम महतो, बेनीलाल मुरमू, रितेश महतो, राजेश

महतो सहित सैकड़ों महिला-पुरुष कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बिजली सुविधा मिलने पर सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बोकारो में कोयला क्षेत्र पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ समापन



नवप्रदेश। बोकारो

बोकारो में कोयला क्षेत्र पुलिस ड्यूटी मीट का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में धनबाद और बोकारो जिले के कुल 27 प्रतिभागी हिस्सा लिए जिसमें से दो प्रतिभागियों ने बाजी मारी। बोकारो और कोयलांचल प्रक्षेत्र के आईजी क्रांति कुमार गड़देशी के द्वारा पुरस्कृत करते हुए जीते हुए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान

उन्होंने कहा की चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे और वहां जीत के बाद अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता, अनुशासन और अनुसंधान में दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले

प्रतिभागी न केवल राज्य स्तर पर बल्कि ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में भी हिस्सा लेने का अवसर पा सकते हैं। उन्होंने कहा की नए कानून BNS के तहत अब वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान किया जाना होता है जिसमें तमाम साक्ष्य के साथ एफएसएल के टीम की मदद के तहत अनुसंधान को अपने मुकाम तक पहुंचाया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत इसपर विशेष नजर दिया गया।

मुहर्म्म पर्व को लेकर बेरमो प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च



प्रतिनिधि, फुसरो (बेरमो)

मुहर्म्म को भाईचारा की व शांतिप्रिय ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर बेरमो थाना प्रभारी रोहित सिंह के नेतृत्व में बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार के साथ बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो बाजार, रानीबाग, रहीमगंज, पुराना वीडियो ऑफिस, पटेल नगर, भेड़मुक्का, राजाबेड़ा सहित

विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। इस मौके पर भारी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। थाना प्रभारी रोहित सिंह ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस द्वारा संवेदनशील जगहों को चिह्नित किया गया है। जहां पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगी। इसके साथ ही अगर कोई पर्व में माहौल बिगाड़ना या अफवाह फैलाने की

कोशिश करेगा तो पुलिस की उस पर पैनी नजर रहेगी। साथ ही उन्होंने सदियों से चली आ रही परंपरा भाईचारे के साथ मोहर्म्म पर्व को मिलजुल कर एक साथ मनाने का लोगों से अपील किया। बीडीओ मुकेश कुमार ने लोगों से अपील की कि वे पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। किसी भी अफवाह से बचें।

मुहर्म्म को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क, चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

नवप्रदेश। बोकारो

उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार शुक्रवार शाम को जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में बीडीओ, सीओ एवं थाना प्रभारियों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया, ताकि मुहर्म्म पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराया जा सके। प्रशासन द्वारा प्रत्येक अंचल/थाना क्षेत्र में स्थिति का आकलन कर सतर्कता बढ़ा दी गई है। रिजर्व बल के साथ पूरे जिले में विशेष तैनातीजिले भर में महत्वपूर्ण चौक - चौराहों पर कुल 357 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई



है। इसके अलावा रिजर्व फोर्स के रूप में चास अनुमंडल में 31 और बेरमो अनुमंडल में 53 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को रखा गया है, जो आवश्यकतानुसार

त्वरित कार्रवाई हेतु अलर्ट मोड में रहेंगे। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई। उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष

निगरानी रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी, भड़काऊ पोस्ट अथवा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऑडिट के बाद 15 सरकारी शराब दुकानों को सील किया गया



नवप्रदेश। करगली(बेरमो)

झारखंड सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा एक जुलाई से नयी शराब नीति के तहत सभी सरकारी शराब दुकानों को हेंडओवर लिया जा रहा है। इसी कड़ी में बेरमो सीओ संजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने जांगडीह, कथारा, बोकारो थर्मल में 15 शराब दुकानों की

ऑडिट की। ऑडिट के बाद सभी दुकानों को सील कर दिया गया। सीओ संजीत कुमार सिंह ने बताया कि बोकारो उपायुक्त के निर्देशानुसार प्रखंड अंतर्गत 15 देशी-विदेशी शराब दुकानों की ऑडिट की गयी। दुकानों में स्टॉक व लेखा-जोखा का मिलान करने के बाद फिलहाल दुकानों को सील कर दिया गया। अगले आदेश तक दुकानें बंद रहेंगी।

संक्षिप्त खबरें

वाहन जांच अभियान चलाकर डीटीओ ने वसूला 4.50 लाख रुपए का जुर्माना

- चास थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंडाजोरा के चेकपोस्ट पर का मामला, कुल 97 वाहनों का किया
- जांचकुल 19 वाहनों से परिवहन नियमों की अनदेखी को लेकर वसूला जुर्माना

नवप्रदेश। चास

राष्ट्रीय राज्यमार्ग 32 एवं राष्ट्रीय राज्यमार्ग 320 पर पिंडाजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चेकपोस्ट एवं चास तथा बालीडीह थाना क्षेत्र पर परिवहन विभाग द्वारा आज दिनांक 04 जुलाई, 2025 को चलाई गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 19 वाहनों से 4.50 लाख रुपए का जुर्माना लिया गया। उक्त वाहन जांच अभियान बैठक में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में किया गया। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती

वंदना सेजवलकर द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 19 वाहन से 4.50 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 97 वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 19 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

मां को बच्चे प्रताड़ित करें - पति, अपनी पत्नी व बच्चों को बेसहारा छोड़ दे, यह असंवेदनशीलता समाज में नहीं होना चाहिए : उपायुक्त



नवप्रदेश। बोकारो

जमीन संबंधित मामलों में कमी लाने के लिए हेल्प सेंटर का सभी अंचलों में संचालन करने का लिया निर्णय, आमजन किसी भी भूमि के निबंधन से पूर्व संबंधित भूमि का करा सकेंगे जांचबुजुर्गों की भूमि अवैध रूप से कब्जा करने वाले असामाजिक तत्वों पर जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई जाएगी, सीओ - थाना प्रभारी को दिया है निर्देशजनता दरबार का उद्देश्य सीधे संवाद स्थापित करना, समस्याओं का निदान करना है, प्रखंड सह अंचल कार्यालय में भी

जनता दरबार हो रहा आयोजितसमाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने आयोजित जनता दरबार में 50 से ज्यादा फरियादियों की सुनी समस्या, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित समाधान को कहासमाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जोधाडीह मोड़ निवासी बुजुर्ग महिला श्रीमती गायत्री देवी ने अपने ही परिवार के सदस्यों द्वारा प्रताड़ना की पीड़ा साझा की। उन्होंने अपने मझले बेटे मनोज साव द्वारा आयु दिन मार-पीट करने की बात कही।

दलित बस्ती में आवासीय समस्या का लिया संज्ञान

- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने किया दौरा जनता को आश्वस्त किया— गठबंधन सरकार संकल्पित है हर परिवार को छत देने के लिए : केशव महतो कमलेश



नवप्रदेश। चास

झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी बोकारो भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में चास प्रखंड अंतर्गत ब्रह्मग्न द्वारिका गांव पहुंचकर सरकारी लाभ से वंचित दलित परिवारों से बारी बारी से मिलते हुए बुनियादी समस्याओं से अवगत हुए। तथा संज्ञान लेते हुए श्री महतो ने स्वयं वंचित परिवारों के सूची बनाते हुए बोकारो उप विकास

आयुक्त को दूरभाष से अवगत कराये एवं जल्द से जल्द पात्र लाभार्थी को अबुआ आवास,अंबेडकर आवास उपलब्ध कराने हेतु संज्ञान लेने के लिए कहा गया।इस मौके पर श्री महतो ने कहा कि गठबंधन सरकार संकल्पित है वंचित हर परिवार को छत देने के लिए। सुचना प्राप्त से चास प्रखंड के ब्रह्मग्न द्वारिका (कालिंदी टोला)में कोई परिवार ऐसे है कि जिन्हें सरकारी आवास योजना का लाभ आज तक नहीं मिल सका है। वे परिवार प्लास्टिक व तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर है।

गोविंदपुर के रैयतों और डीवीसी प्रबंधन के बीच विस्थापितों की मांगों को लेकर हुई वार्ता

करगली(बेरमो)। बेरमो सीओ संजीत कुमार की अध्यक्षता में बुधवार की देर शाम डीवीसी के निदेशक भवन में गोविंदपुर के रैयतों और डीवीसी प्रबंधन के बीच विस्थापितों की विभिन्न मांगों को लेकर वार्ता हुई। इस दौरान डीवीसी के ऐश पौड की पाइप लाइन फटने से गोविंदपुर के रैयतों के खेतों में छाई भरने के मामले में सुआवजा तथा नियोजन को लेकर आठ माह से फटी पाइपलाइन की मरम्मत का काम रैयतों द्वारा रोके जाने के मसले पर चर्चा हुई। प्रबंधन ' की ओर से विभागीय पदाधिकारियों ने फटी पाइप की मरम्मत शीघ्र शुरू होने देने का आग्रह किया, जिसका रैयतों ने विरोध करते हुए कहा कि खेतों में छाई भरने से हुए नुकसान की भरपाई करते हुए जब तक सुआवजा एवं 30 रैयतों को एएमसी-एआरसी के कार्यों में नियोजन नहीं मिलता है, तब तक

प्रबंधन को काम करने नहीं दिया जायेगा। इस पर बेरमो सीओ संजीत कुमार ने सभी रैयतों को जमीन का कागजात जमा करने को कहा। साथ ही, यह भी कहा कि पांच जुलाई को बेरमो अंचल कार्यालय से अमीन भेजकर रैयतों की जमीन की मापी करायी जायेगी। मापी में रैयतों एवं डीवीसी प्रबंधन से तीन-तीन सदस्य शामिल रहेंगे। कहा गया कि जमीन की मापी के बाद मुआवजे की राशि तय की जायेगी। वार्ता में सीओ के अलावा गोविंदपुर के रैयतों में जलेश्वर महतो, संजय महतो, विनोद महतो, केदार महतो, रीता देवी तथा डीवीसी से डीजीएम काली चरण शर्मा, नरेश मुरस्कर, प्रबंधक रविशिव राहुल उरांव, प्रबंधक एचआर सुनील कुमार, जसीम अंसारी, वरीय प्रबंधक सीएसआर मनीष कुमार चौधरी शामिल थे।

जैनामोड़ में अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा विशेष गोष्ठी का आयोजन

जैनामोड़(बोकारो)। जैनामोड़ स्थित प्रजापति धर्मशाला में अखिल विश्व गायत्री परिवार की विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का जिला समन्वयक मुकेश मिश्रा के अध्यक्षता में किया गया। मुख्य रूप से ज्योति कलश सह माता जी के जन्मशताब्दी यात्रा के सफलता पर चर्चा की गई। गोष्ठी में श्री मिश्रा ने कहा कि आने वाला समय प्रज्ञा युग होगा। इस तरह का युग कभी था न कभी होगा। इस युग परिवर्तन के लिए हमारे गुरुदेव पं० श्री राम शर्मा आचार्य ने विचार क्रांति अभियान चलाये हैं। इसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य में देवत्व का जागरण और चरती पर स्वर्ग का अवतरण है। अब हम सभी गायत्री परिवार के परिजनों को इस कार्य के लिये कमर कस लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचम महतो, केशव महतो, हाबु महतो, गुलेच मिश्रा, नवेश्वर महतो, योगेंद्र महतो, अंजू देवी, रविता मिश्रा, सुनीता देवी, उर्मिला देवी, शम्भू केवट, ठाकुर जी आदि लोग उपस्थित थे।



बाघमारा मुंडा धौड़ा में भू-धसान से मची अफरा तफरी

घटनास्थल के जायजा लेने पहुंचे सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी

नव प्रदेश संवाददाता

गनबाद/बाघमारा। मुंडा धौड़ा में भू-धसान से मची अफरा तफरी। रटनास्थल के जायजा लेने पहुंचे सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी। बरसात ऋ मौसम आते ही बीसीसीएल के ऋ क्षेत्र में भू- धसान की खतरा बढ़ती जा रही है। बीसीसीएल अधिकारियों की शिथिलता और नापवाही के कारण न जाने कब केसकी जान चली जाएगी । बीसीसीएल की गलत प्लानिंग के कारण आए दिन कितने मासूम की जंदगी खतरे में पड़ी हुई है। लोगों की जान माल के नुकसान होने के शद बीसीसीएल को पुनर्वास और वस्थापन की नीति याद आती है नबकि वर्षों से झरिया पुनर्वास की रोजना चली आ रही है।

एशियन हॉस्पिटल में बायोप्सी व नवीनतम पद्धति से किडनी रोगियों का हो रहा सफलतापूर्वक इलाज : डॉ. अफताब अंसारी

नव प्रदेश संवाददाता

गनबाद। 200 से भी अधिक केडनी बायोप्सी कर चुके और 100 से अधिक किडनी रोगियों को स्वस्थ कर चुके एशियन हॉस्पिटल के अनुभवी किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ आफताब अंसारी ने एशियन हॉस्पिटल में सभागार में गुरुवार को आयोजित किडनी की बीमारियों के नवीनतम इलाज की चर्चा सत्र बैठक के दौरान शतायी की अबतक किडनी का लाज लोग रांची,कोलकाता जैसे बड़े शहरों में अधिक खर्च देकर करा रहे थे। अब किडनी बायोप्सी एवं अन्य नवीनतम चिकित्सा क्रियाओं से किडनी का इलाज



बीसीसीएल अधिकारियों के खून में जब तक भ्रष्टाचार का कीड़ा रेंगते रहेंगे तब तक आम जनों की जान जाती रहेगी। लोगों की माने तो खदान में कोयला निकासी के

पश्चात बालू भराई का प्रावधान था जिसे धरातल पर ना उतारते हुए सिर्फ कागजों पर चला रहा और जमीन खोखला होता गया। क्षेत्र में आउटसोर्सिंग आने के कारण



मरीज सुलभ रूप से करा रहे हैं। मरीज के इंसेकेडी यानी एन्ड स्ट्रेज ऑफ किडनी स्थिति में किडनी का प्रत्यारोपण इलाज भी लिविंग किडनी डोनर और डिजीस्ट किडनी डोनर के द्वारा कानूनी नियमों के अनुसार हमारे मुख्य हॉस्पिटल फरीदाबाद के एशियन इस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एशियन हॉस्पिटल में में

उन्होंने आगे बताया किडनी बायोप्सी इलाज एक ऐसी पद्धति है जिससे किडनी की बीमारी का सटीक इलाज होता है। जिसमें किडनी के फेल होने के कारणों का पता अल्ट्रासाउनिक गाइडेड उपकरण के द्वारा लगाया जाता है इसमें अल्ट्रासाउंड करते हुए नीडल के माध्यम से किडनी बायोप्सी गन से किडनी से एक छोटी टिशू लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रमाणित प्रख्यात लैबोरेट्रीज में भेजते हैं जहां लैब के रिपोर्ट के अनुसार उनका त्वरित इलाज एशियन हॉस्पिटल में शुरू हो जाता है इसी आधार पर मरीज को डायलिसिस पर जाने से बचाया जा सकता है।

देवघर में श्रावणी मेले के मद्देनजर नजर जिला प्रशासन ने तय किया पेड़ा, चूड़ा की कीमत

नव प्रदेश संवाददाता

देवघर । बाबा नगरी देवघर में 11वकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है. श्रावणी मेला के सफल आयोजन को लेकर देवघर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वहीं मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन ने कई आवश्यक देशा-निर्देश जारी किये हैं। इसी शीच प्रशासन ने मेले में बिकने वाले प्रसाद, जैसे- पेड़ा, चुड़ा और इलायची दाना की प्पलब्धता, गुणवत्ता और कीमत का निर्धारण भी कर दिया ः। बता दें कि देवघर के श्रावणी मेले में बिकने वाले साद के मूल्य में सामान्य बढ़ोतरी की गयी है। इस साल ङड़ा की सार्वधिक कीमत 400



रुपये प्रति किलो, रायपुर चुड़ा 80 रुपये किलो और वर्द्धमान चुड़ा की कीमत 60 रुपये प्रति किलो निर्धारित की गयी है। इसके अलावा इलायची दाना 80 रुपये प्रति किलो तय किया गया है।

किस प्रकार निर्धारित की गई कीमत

डीसी नमन प्रियेस लकड़ा के जारी आदेशानुसार, रायपुर चुड़ा की कीमत 5000 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जो कि 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से है. वहीं वर्द्धमान चुड़ा की कीमत 4800

से 5500 रुपये प्रति क्विंटल है, जिसका प्रति किलोग्राम मूल्य 60 रुपये है। वहीं पेड़ा दो प्रकार की सामग्री के आधार पर बनाया जाने वाला पेड़ा की कीमतों पर भी बदलाव किया गया है. पहले प्रकार में 800 ग्राम खोवा और 200 ग्राम चीनी प्रयोग की जाती है, जिसकी कीमत 400 रुपये प्रति किलो है जबकि दूसरे प्रकार में 700 ग्राम खोवा और 300 ग्राम चीनी का उपयोग होता है, जिसकी दर 360 रुपये प्रति किलो तय की गई है। अधिक कीमत पर प्रसाद बेचने पर होगी कार्रवाई श्रावणी मेले में प्रसाद बेचने वाले सभी दुकानदारों को सख्त निर्देश दिया गया है कि कोई भी निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर प्रसाद नहीं बेचेगा. निर्देश का उल्लंघन करने पर ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

मुख्यमंत्री के आदेशानुसार उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए दिव्यांग बच्ची को उपलब्ध कराई कान की मशीन

दिव्यांग बच्ची के माता-पिता ने माननीय मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

गनबाद/तोपचांची। तोपचांची त्खण्ड के खरियो बस्ती निवासी श्रमैंद्र गोस्वामी ने अपने 13 वर्षीय दिव्यांग बच्ची सौम्या कुमारी हेतु हान की मशीन की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से देवटर() के माध्यम से की थी। स मामले में मुख्यमंत्री ने गनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन को अविलंब संज्ञान में लेने हेतु नर्देशित किया। मुख्यमंत्री के



निर्देशानुसार उपायुक्त आदित्य रंजन ने वर्णित मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सम्बन्धित बच्ची को अविलंब कान की मशीन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त के निर्देशानुसार सौम्या कुमारी को उनके घर जा कर कान की मशीन उपलब्ध करा दी गई।

इसके अलावा उपायुक्त ने बच्ची को शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रखंड के रिसोर्स टीचर को घर जाकर शिक्षा मुहैया कराने हेतु निर्देशित किया। इस मामले में सौम्या के माता पिता ने माननीय मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि टीवटी करने के कुछ घण्टे के अंदर ही इस मामले में संज्ञान लिया गया जो कि सराहनीय है। साथ ही उन्होंने बताया कि बच्ची को सर्वजन पेंशन योजना का लाभ भी झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

धनबाद में डायरिया से मौत के बाद जागा स्वास्थ्य महकमा, चलाएगी कैपेनिंग

गनबाद। धनबाद जिले में लगातार णे रही बारिश के साथ ही डायरिया भी दस्तक दे चुकी ः। डायरिया के प्रकोप से एक पुवक मौत भी हो चुकी है। एसएनएमएमसीएच प्रबंधन एक और जहां डायरिया से मौत होने की पुष्टि कर रहे हैं।वहीं सिविल र्जन डायरिया से हुई मौत पर अ्रबतक रिपोर्ट नहीं आने की बात कह रहे हैं।हालांकि इस मौत के शद स्वास्थ्य महकमे में खलबली च गई है।स्वास्थ्य विभाग कल से कैपेनिंग चलाएगी। निरास के



कलियासोल प्रखंड के सलूकचपड़ा पंचायत के काशीटोला में डायरिया के कारण 35 वर्षीय मिंटू किस्कू की मौत एसएनएमएमसीएच में इलाज के

दौरान हो गई।वहीं काशीटोला के ही रहने वाले 60 वर्षीय सोनाराम टुडू ,35 वर्षीय दर्शानी किस्कू और 55 वर्षीय परमेश्वर किस्कू को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। एसएनएमएमसीएच के वरीय प्रबंधक डॉ सुमन कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कलियासोल से पीड़ित मरीज अस्पताल पहुंचे थे।इनमें से एक की मौत इलाज के दौरान हुई है।।अन्य सभी को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया है। डायरिया से हुई मौत

के बाद स्वास्थ्य महकमा अब कैपेनिंग चलाने की बात कह रहे हैं। एक ओर जहां एसएनएमएमसीएच प्रबंधन डायरिया से मौत होने की पुष्टि रहे हैं।वहीं सिविल सर्जन मौत की रिपोर्ट उन तक नहीं पहुंची है। उन्होंने कहा कि कल से डायरिया को लेकर कैपेनिंग चलाई जाएगी।कैपेनिंग के तहत ओआरएस और जिंक की दवाई घर घर बांटी जाएगी।सहिया घर तक यह पहुंचाएंगे।

भू- धसान होने के कारण कई घरों के दीवारें फट गया लोगों में अरफा तरफी मच गया सभी अपने-अपने सामान घर से निकलकर इधर-उधर भागने लगे। परंतु घंटों भी जाने के बाद भी बीसीसीएल का कोई भी अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। सूचना मिलने पर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों की पीड़ा से रूबरू हुए। मीडिया से बात करते हुए सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा बीसीसीएल अधिकारियों की गलत नीति के कारण आए दिन क्षेत्र में भू-धसान की घटनाएं बढ़ती जा रही है कई मासूमों की जिंदगी पर खतरे मंडरा रही है। उन्होंने कहा बीसीसीएल के अधिकारी समय पर अगर ठोस कदम उठाता तो शायद इस तरह

की घटना क्षेत्र में नहीं होता। चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा बीसीसीएल अधिकारियों का चमड़ा बहुत मोटी हो चुकी है। पुनर्वास और विस्थापन की समस्या को वह लोकसभा में उठाने का काम करेंगे। वहीं मुंडा थोड़ा और कुमार पट्टी के लोगों ने कहा वह सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास की मांग बीसीसीएल से कर रहे हैं परंतु सिर्फ अधिकारियों की ओर से आश्वासन का घूंट ही पीकर रहना पड़ रहा है ग्रामीणों ने कहा ना जाने कब किसकी जान चली जाएगी एक कोई नहीं जानता ग्रामीणों ने कहा इस तरह की घटना होने से डर तो लगता है फिर भी वह मुस्तावी के साथ बीसीसीएल प्रबंधन से अपने अधिकार की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

पुलिस महानिरीक्षक दुमका के अध्यक्षता में किया गया पीपिंग सेरेमनी का आयोजन



दुमका। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुमका में पुलिस महानिरीक्षक दुमका प्रक्षेत्र, दुमका, शैलेंद्र कुमार सिन्हा के अध्यक्षता में पीपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। नव प्रोन्नत पुलिस उपाधीक्षक श्यामानंद मंडल, पुलिस उपाधीक्षक हरी प्रसाद शाह एवं पुलिस उपाधीक्षक समीर उरांव को पुलिस माहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक दुमका पीतांबर सिंह खेरवार ने उक्त तीनों पुलिस उपाधीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक कोटि के बैच लगाकर दिए बधाई।

आईआईटी आईएसएम धनबाद में नॉनलीनियर एनालिसिस, कंट्रोल व ऑप्टिमाइजेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

नव प्रदेश संवाददाता

धनबाद । आईआईटी (आईएसएम) के गणित एवं कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आयोजित नॉनलीनियर एनालिसिस, कंट्रोल और ऑप्टिमाइजेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एन ए सी ओ-2025) की शुरुआत आज टेक्समिन सभागार में हुई। सम्मेलन का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), दिल्ली के प्रो. एस.के. नियोगी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. एस.पी. तिवारी, विभागाध्यक्ष, प्रो. अनुराग जयसवाल, सम्मेलन संयोजक; तथा प्रो. बी.एस. कुशवाह, सह-संयोजक भी मौजूद थे। तीन दिवसीय यह सम्मेलन 3 से 5 जुलाई, 2025 तक चलेगा और



इसका उद्देश्य गणित के तेजी से उभरते क्षेत्रों— नॉनलीनियर विश्लेषण, कंट्रोल थ्योरी और ऑप्टिमाइजेशन—में हो रहे नवीनतम शोधों पर विचार-विमर्श करना है। इन विषयों का उपयोग आज नियंत्रण प्रणाली, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग तथा कई अन्य क्षेत्रों में किया जा रहा है। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. मिश्रा ने कहा कि गणितीय शोध सामाजिक और तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो. नियोगी

ने ऑप्टिमाइजेशन तकनीकों और नॉनलीनियर विधियों के व्यापक उपयोग और प्रभाव पर प्रकाश डाला। यह सम्मेलन युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को विशेषज्ञों से संवाद करने और विषय की गहराई समझने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही व्याख्यान श्रृंखलाएं कंट्रोल थ्योरी, कंटीन्यूअस ऑप्टिमाइजेशन, वैरिएशनल एनालिसिस और सिस्टम स्टैबिलिटी जैसे विषयों को कवर करेंगी।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन का आनंद मेला शुरू

महिलाओं को खूब भा रही बेहतरीन डिजाइनों में राखियाँ

धनबाद । मारवाड़ी महिला सम्मेलन धनबाद शाखा का दो दिवसीय आनंद मेला आज से धनसार में शुरू हुआ.प्रांतीय अध्यक्ष मंजू बग्राड़िया के हाथों मेला का उद्घाटन किया गया. मेला में मुंबई, कोलकाता समेत विभिन्न प्रांतों के 70 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां एक ही छत के नीचे अलग-अलग राज्यों का सामान खरीदने का अवसर दिया जा रहा है. आगामी दिनों में रक्षा बंधन भी है इसे लेकर मेला में राखी के भी कई स्टॉल लगाये



गए हैं. आकर्षक डिजाइनों में राखियां उपलब्ध है.इसके अलावे साड़ियों की विस्तृत श्रृंखला, आकर्षक ज्वेलरी, विविध प्रकार के गिफ्ट आइटम्स, घर सजावट के सामानों के साथ-साथ बच्चों के

लिए विभिन्न गेम्स और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी स्टॉल है। मेले में खरीदारों के लिए सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। संस्था की ओर से 52 वर्षों से आनंद मेला का आयोजन किया जाता रहा है।

धनबाद स्टेशन के साथ-साथ धनबाद-गोमो रेलखंड में चलाया गया मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सुनियोजित कार्यक्रम के तहत आज 07:00 बजे से 11:00 बजे तक धनबाद रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में धनबाद स्टेशन के साथ-साथ धनबाद-गोमो रेलखंड में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया े इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 75 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान



के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे

एक नजर

लाभुक पहुंचे निगम कार्यालय, पूछा कब मिलेगा आवास



धनबाद। धनबाद नगर निगम ने प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 320 किराफायती आवास बनाए हैं। ये आवास बावूडीह बरामुड़ी में बनाए गए हैं। आवास बनकर तैयार भी है परन्तु अभीतक लाभुकों को आवास हैंडओवर नहीं किया जा सका है। निगम के द्वारा बार बार हैंडओवर की तिथि में बदलाव से लाभुक परेशान है। दर्जनों लाभुक नगर आयुक्त से मिलने निगम कार्यालय पहुंच गए एवं जल्द से जल्द आवास हैंडओवर करने की मांग की गई। लाभुक शारदा साहा ने बताया कि पिछले चार साल से आवास के इन्तेजार में हैं। खुद का आवास होते हुए भी किराये के मकान में रहने को विवश हैं एक तरफ आवास योजना के तहत लोन की राशि देनी पड़ती है तो वहीं मकान किराया का भी अतिरिक्त बोझ है। बता दें कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 320 आवास निर्माण कार्य 2022 में ही शुरू हुआ था। आवास बनकर तैयार भी है। आवास का उद्घाटन व गृह प्रवेश नहीं हुआ है। गृह प्रवेश की तिथि में लगातार हो रहे बदलाव से लाभुक परेशान हैं।

न्यायालय के आदेश पर मकान खाली कराने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के साथ पहुंची पुलिस



धनबाद । पिता-पुत्र के बीच जमीन विवाद को लेकर वर्षों से चल रहे मुकदमे में आखिरकार पिता रविंद्र कुमार सिंह के पक्ष में फैसला आने के बाद मकान का कब्जा दिलाने के न्यायालय के आदेश पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के साथ पुलिस हाऊसिंग कॉलोनी पहुंची। वकील शशि शेखर विश्वकर्मा ने बताया कि वर्षों से पिता पुत्र के बीच मकान विवाद को लेकर न्यायालय में केस चल रहा था। आखिरकार जमीन की डिग्री रविंद्र कुमार सिंह के पक्ष में आया। जमीन की डिग्री मिल जाने बाद भी मकान खाली नहीं किया जा रहा था जिसके लिए रविंद्र न्यायालय की शरण में गए. न्यायालय के आदेश पर मकान का कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही की जा रही है।

अवैध बालू लदा ट्रक जब्त, पूर्वी टुंडी थाना में एफआईआर दर्ज



धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिले में खनिज पदार्थों के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने आज पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदा एक ट्रक को जब्त किया है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि उनके नेतृत्व में आज दोपहर लगभग 12:45 बजे जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिंगा, खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, सुमित प्रसाद, बसंत उरांव एवं आर्वाइंट सशस्त्र पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से पूर्वी टुण्डी थाना क्षेत्र में जांच अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में पूर्वी टुण्डी से गोविन्दपुर की ओर आ रहे एक ट्रक, रजिस्ट्रेशन नंबर यू.पी. 78 ए.टी. 5166, को बिना परिवहन चालान के बालू परिवहन करते हुए पकड़ा गया। इसके बाद ट्रक को जब्त कर सुसंगत धाराओं के अंतर्गत पूर्वी टुण्डी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

19 साल की छात्रा ने प्रोफेसर पर लगाया संगीन इल्जाम

दुमका । सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के संबद्ध आदित्य नारायण कॉलेज में एक प्रोफेसर पर छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। इस बावत संताल परगना छात्र समन्वय समिति में कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की है। शिक्षक का नाम डॉ नीरज प्रसाद बताया गया है। प्रोफेसर पर एक 19 साल की छात्रा के साथ अनुचित रूप से यौन स्पर्श, छेड़छाड़ और परेशान करने का इल्जाम लगाया गया है। छात्र समन्वय समिति ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंप प्रोफेसर को निलंबित कर उचित कार्रवाई की मांग की है। छात्र नेता श्यामदेव हेन्म्बम एवं राजीव बास्की ने कॉलेज के प्रधानाध्यापक से मिलकर कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जाये।



यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा े टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप



ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट 25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपडगंज, दिल्ली-92

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल चीन के पास है और उनके हास्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, स्वर्ण कलश प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे स्वर्ण कलश प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजु ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास चीनी और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक

स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, स्वर्ण कलश प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे स्वर्ण कलश प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए आगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजु ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक



पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा

का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक दलाई लामा घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कपटपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत



पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि

हिन्दी साम्राज्यवादी भाषा नहीं

म्हाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी के गुंडों ने एक दुकानदार को थपड़ों से खूब पीटा। कारण सिर्फ यह था कि दुकानदार मराठी भाषा में बोल नहीं पाया। यह दुकानदार की ही नहीं, बल्कि देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है। ऐसे असंख्य मामले तमिलनाडु में भी सामने आए हैं, जहां हिंदी भाषियों को लतियाया गया है। मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चरमों किए

जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी की आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंततः 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं। संविधान का भाग 17, अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा से संबंधित प्रावधानों

को समर्पित है। अनुच्छेद 351 में केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन सके। देश हर 14 सितंबर को ह्रदिंदी दिवसह्म मनाता है, बेशक हमें ऐसे आयोजन और ऐसी व्यवस्था ह्रास्मीह्म लगते रहे हैं। यकीनन हिंदी देश के बहुसंख्यक वर्ग की भाषा है। करीब 60-65 करोड़ भारतीय हिंदी बोल, लिख, समझ और अभिव्यक्त कर सकते हैं। मराठी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि अहिंदी भाषी राज्यों, क्षेत्रों के राजनेता, सांसद, लेखक, कलाकार आदि हिंदी भाषा

सीखते हैं, बोलने का अभ्यास करते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बन सकें। कई अहिंदी भाषी लेखक, बंगाल की महाश्वेता देवी और महाराष्ट्र के विजय तेंदुलकर आदि, तभी ह्रास्पीथ्म बन पाए और उन्हें ह्मज्ञानपीठ पुरस्कारह्म आदि से सम्मानित किया गया, जब उनकी कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। बंगाल के प्रतिष्ठित, विख्यात लेखक शरत चंद्र और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास हिंदी के प्रकाशकों ने खूब छापे हैं। देश में उनका एक निश्चित पाठक वर्ग भी है। भारत के सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार हैं रवींद्र नाथ टैगोर। उनकी ह्मगीतांजलिह्म का अनुवाद भी

हिंदी में किया गया, जो आज तक हिंदी पाठकों के बीच बिक रहा है। सवाल है कि देश को भाषायी आधार पर क्यों बांटा जा रहा है? यदि महाराष्ट्र में किसी हिंदी-भाषी दुकानदार को पीटा जाता है अथवा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर ह्मत्रिभाषा फॉर्मलैह्म में भी हिंदी का स्थान छीना गया है, तो यह सरासर संविधान का उल्लंघन है, लिहाजा आपराधिक भी है। यह ठाकरे बंधुओं की क्षुद्र राजनीति हो सकती है, क्योंकि बीएमपी के चुनाव बहुत करीब हैं। राज ठाकरे के सिंघासी गुंडे तो लंबे अंतराल से महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों को पीटते रहे हैं, लेकिन मराठी मानुष भी उस पार्टी को वोट नहीं देते, लिहाजा उसका एक भी विधायक सदन

में चुन कर नहीं आ पाया है। मुंबई में ह्मबॉलीवुडह्म भी है, जो अरबों का एक उद्योग है। देश भर से लोग उसमें सक्रिय हैं। जो घोषित तौर पर ह्मसुपर स्टारह्म हैं और अरबों कमा रहे हैं, उनमें से अधिसंख्म स्वतंत्री नहीं हैं। आज वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं? शायद वे भी ठाकरे बंधुओं की राजनीति से डरते होंगे! वे ह्मसुपर स्टारह्म कहां छिप जाते हैं, हमें नहीं पता। इन दिनों बड़ी संख्मा में दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्में हिंदी में डब की जा रही हैं। रजनीकांत और कमल हासन इसी तरह ह्मराष्ट्रीय सुपर स्टारह्म बन सके। ऐसी फिल्में खूब मुनाफा कमाती हैं, लेकिन हिंदी की बात आती है, तो पीटने वालों के पीछे छिप जाते हैं।

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियां दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है।

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को चातुर्मास या वषायीग कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। वास्तव में पुराने समय में वषाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वषायीस या



चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय

आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियां दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक

का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं। हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरूआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है। इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की परहेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैसट दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वषारवास की जह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आब्दान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती

है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्द्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है। वषारवास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अहं-की ओर, आसक्ति से अनासक्ति, और, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है।

करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोजगार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है। दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। भारत को इस धर्म-राजनीति के संघर्ष में विवेकपूर्ण, दृढ़, निर्णायक और न्यायोचित भूमिका निभाते हुए न केवल तिब्बती जनता का, बल्कि विश्व भर के धार्मिक अधिकारों का भी संरक्षक बनना चाहिए। यही भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की नीति की सच्ची अभिव्यक्ति होगी।

यहां भट्ठा बैठ रहा

आपदा यह भी है कि प्रदेश सरकार के एक मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ एफआईआर का मसीदा दिल्ली तक तलब हो गया और यह भी कि दहते हिमाचल में फोरलेन भी गुनहमारा है। हृदयिकास के ताबूत में बंद खिड़कियां, तेरे मेरे घर ने सिर्फ दहते वक्त देखी। भट्ठाकुपर में भट्ठा बैठा है, तो इमारतों का विव्सं और एनएचआई के अधिकारियों को हॉक्सह्म बना पीटना हमारी कानून व्यवस्था का दहना है। मंत्री का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन घर की परहेदारी में दीया जलाना उचित है, न कि मशाल से अमन की घास को जलाना जरूरी है। अब भट्ठाकुपर ने संयम के कई बांध तोडकर यह साबित कर दिया है कि मोर्चे सजेंगे और हम दानव की तरह फैसला करेंगे। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजनाओं ने प्रभावित लोगों की संपत्तियों के प्रति गैर जिम्मेदारी दिखाई है, वरना जमीन की एक दूराय पूरी बस्ती को खाली कर सकती है। पहाड़

पर निर्माण की आचार सहिता अगर सडक को पारिस्थितिकीय संकट तक ले जा रही है, तो बहुमिसल इमारतों के नैन-नयश भी डायनों से कम नहीं। आश्चर्य यह कि यह सब टीसीपी कानून की देखरेख में हो रहा, भवन निर्माण के नक्शों पर किए गए हस्ताक्षर भी तो दोषी रहे हैं। आज का गिरना, अतीत के गिरने से भिन्न नहीं। गिरे तो हम बार-बार। सोलन के प्लेट्स से गिरने के कहावत विकास से जुड़ गई, तो कुमाराहट्टी तक के पैदल सामने आ रहे हैं। यानी हम बिड्लर तो बन गए, लेकिन सुरक्षित भविष्य की नींव के पत्थर नहीं बन सके। इस वेदना के शिदोह में एक अधिकारी को पीटकर तो कतई क्रांति नहीं आएगी। सडकों राज्य की हो या केंद्रीय परियोजनाओं के तहत राष्‍ट्र निर्माण की पेशकश हों, पर्वतीय क्षेत्रों में काम करने की ताकदी रहे। हमारी संवेदना इस तरह के नुकसान से है, लेकिन इनके कारणों को हम एक दूसरे पर तोहमत लगाकर नहीं खोज सकते।

जीवन के प्रत्येक स्टार पर ऊर्जा का संचार करते हैं सूर्यदेव



सूर्यदेव को सनातन धर्म में प्रत्यक्ष देवता माना गया है। ऋग्वेद से लेकर उपनिषदों तक में सूर्य देव की उपासना जीवनदाता के रूप में की गई है। सूर्य का प्रकाश हमारे जीवन में ऊर्जा, शक्ति और सकारात्मकता का स्रोत है। जब कोई व्यक्ति प्रातःकालीन सूर्य के संपर्क में आता है, विशेषकर सूर्योदय के समय, तो वह न केवल शरीर के लिए लाभप्रद

होता है, बल्कि मानसिक और आत्मिक स्तर पर भी शुद्धिकरण करता है। यह संपर्क हमारे भीतर संचित नकारात्मक ऊर्जा को हादकर नवचेतना का संचार करता है। इसलिए प्रतिदिन कुछ समय सूर्य के सान्निध्य में बिताना अच्छे स्वास्थ्य और आत्मिक उन्नयन के लिए आवश्यक माना गया है। सूर्यदेव की उपासना मुख्यतः दो रूपों में प्रचलित रही

है। एक, नवग्रहों में सूर्य की गणना के रूप में और दूसरा, द्वादश आदित्यों में आदित्य रूप में। सूर्य को नवग्रहों में प्रमुख स्थान प्राप्त है, जो जीवन चक्र, ऋतुओं और काल-गणना के आधार के रूप में पूजे जाते हैं। वहीं, द्वादश आदित्य सूर्य की विविध ऊजाओं और चेतनाओं का प्रतीक है, जिन्हें वर्ष के बारह महीनों के अधिपति माना गया है।

हमारे दो प्रमुख महाकाव्य रामायण और महाभारत भी सूर्य-सन्दर्भों से परिपूर्ण हैं। रामायण में भगवान श्रीराम को सूर्यवंशी बताया गया है। इससे प्रतीत होता है कि सूर्य न केवल प्रकृति के निर्यात हैं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था के भी मूल स्रोत हैं। महाभारत में भी सूर्य को देवताओं के अधिपति हृदयेववरुण कहा गया है, जिससे उनके दिव्यत्व की

प्रतिष्ठा होती है। सूर्य की देवता के रूप में यह पूजा केवल भारत तक सीमित नहीं रही, अपितु विश्व की अन्य-अन्य प्राचीन सभ्यताओं में भी सूर्य को जीवनदाता और दैवीय शक्ति के रूप में पूजा गया। रोमन संस्कृति में ह्योपोलोनास को सूर्य देवता माना गया। भारत में सूर्य देव को अर्घ्य देने की एक प्राचीन परंपरा रही है। प्रातःकालीन समय में सूर्य को अर्घ्य देना, बल्कि वह एक पूर्ण जीवन-दर्शन का अंग है। सूर्योदय के समय की सूर्य-किरणें अमृत तुल्य मानी गई हैं। इनमें उपस्थित परबैंगनी किरणें शरीर को रोगमुक्त रखने में अत्यंत सहायक होती हैं। आयुर्वेद और योगशास्त्र के अनुसार, सुबह की धूप शरीर की त्वचा द्वारा सोखी गई इन किरणों को आंतरिक ऊर्जा में बदल देती है, जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। धार्मिक दृष्टि से भी सूर्य को प्रत्यक्ष देवता कहा गया है—जो दिखते हैं, अनुभव होते हैं और जीवन देते हैं। इसलिए उन्हें अर्घ्य करने के लिए कृतज्ञता व्यक्त करना हमारी आस्था का स्वरूप है और उसी प्रक्रिया में हमें स्वास्थ्य लाभ भी होता है। यही भारतीय धर्म और विज्ञान की अद्भुत समरसता है, जो शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोग्यत करती है। वैदिक युग से ही सूर्य को जीवन का मूलधार माना गया है। सूर्य

देवता को न केवल ऊष्मा और प्रकाश का स्रोत माना गया, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र भी बताया गया। ऋग्वेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद में सूर्य की स्तुति अनेक मंत्रों द्वारा की गई है। वैदिक ऋषियों ने सूर्य को सूर्योदय पर सवार देवता के रूप में देखा, जो सात घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ से आकाश की यात्रा करता है। यह सूर्य के प्रकाश के सात रंगों, सात दिनों और सात ऊर्जा धाराओं का आध्यात्मिक प्रतीक है। भारतीय धार्मिक चेतना में सूर्य देव सत्य, धर्म और आत्मबल के अधिष्ठाता भी हैं। मेधाश्री कुमार ने अपनी किताब महजश और भाग्यलक्ष्मी में सूर्य को मजबूत करने के उपायों के रूप में लिखा है कि सूर्य नमस्कार : प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करें। यह शरीर और मन को ऊर्जावान बनाता है और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। सूर्य मंत्र : ह्योऽउम ह्यँ ह्यँ ह्यँ सः सूर्याय नमः॥ मंत्र का जाप करें। यह मंत्र सूर्य की सकरात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और नकारात्मक प्रभावों को दूर करता है। सूर्य के जल अर्पण : सुबह सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पण करें। यह सूर्य को सम्मान देने और आशीर्वाद प्राप्त करने का एक तरीका है। तांबे के बर्तन में पानी पिं प्या तांबे का कड़ा पहनें। तांबा सूर्य की

ऊर्जा को संचारित करने में मदद करता है।

उदय नारायण सिंह ने अपनी किताब ह्यभारतीय संस्कृति के प्रतीकह में लिखा है, सूर्य हमारा जीवनदाता माना गया है। मानव ने सूर्य के उदय और अस्त होने के अनुसार दिन और रात की अवधारणा विकसित की और इसके अनुसार अपने क्रियाकलाप निर्धारित किए। सूर्य की ऊर्जा में प्रभावित होकर ही मानव ने इसे देवता स्वरूप मान कर इसकी पूजा प्रारंभ की जो विश्व भर में किसी न किसी रूप में प्रचलित है। विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में सूयूपोसना की प्रथा रही है। हिंदू धर्म के अंतर्गत उपासना के क्षेत्र में जिन प्रमुख पंच देवों को प्रतिष्ठित किया गया है, उनमें गणेश, शिव, विष्णु तथा शक्ति के अलावा सूर्य भी हैं। सूर्य जीवन-शक्ति देने वाले के रूप में माने गए हैं। उपनिषदों में सूर्य को प्राण कहा गया है। वह आगे लिखते हैं कि राजपूत काल में भी कई सूर्य मंदिर बनाए गए। कश्मीर के शासक ललितादित्य के समय का मार्तण्ड नाम के खंडितावस्था में भी स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इन्हीं मंदिरों की श्रेणी में गुजरात के मोदेरा का सूर्य मंदिर, चंदेलकालीन खजुराहो का चित्रगुप्त मंदिर, उड़ीसा स्थित

कोणाक का सूर्य मंदिर, दक्षिण भारत का निरुपति बाला जी मंदिर तथा टिकमाहार काल का मंडखेरा (टीकमाहार) का सूर्य मंदिर भी अपनी उत्कृष्ट स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। इस प्रकार सूर्य की उपासना भारतीय संस्कृति, धर्म और जीवन शैली का एक अभिन्न अंग रही है, जो केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और आत्मिक दृष्टियों से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता मानकर, उसके प्रति आभार व्यक्त करना एक ऐसी परंपरा है, जो व्यक्ति को प्रकृति से जोड़ती है, स्वास्थ्य प्रदान करती है और आत्मिक चेतना को जागृत करती है। वैदिक ऋषियों से लेकर आधुनिक आयुर्वेदचार्यों और वैज्ञानिकों तक, सभी ने प्रातःकालीन सूर्य संपर्क को जीवन की ऊर्जा, स्वास्थ्य और सकारात्मकता का मूल स्रोत माना है। अर्घ्य देने, सूर्य नमस्कार, मंत्र जाप तथा सूर्य स्नान की परंपराएं हमारी धार्मिक आस्थाओं की अभिव्यक्ति के साथ-साथ मानसिक संतुलन, आंतरिक शक्ति और आत्मिक उन्नति का भी माध्यम हैं। भारतीय ग्रंथों में सूर्य को आत्मा, प्राण और ब्रह्म का स्वरूप कहा गया है, जो जीवन के प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा का संचार करता है। सूर्य उपासना जैसे अभ्यासों को अपनाने की जरूरत है।

गोवर्धन परिक्रमा से पूरी होती हैं सभी मुरादे



गोवर्धन परिक्रमा का हिंदू धर्म में बड़ा ही महत्त्व है। हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थस्थल गोवर्धन, मथुरा से 26 किलोमीटर पश्चिम में डींग हाईवे पर स्थित है। कहा जाता है कि यहां के कण-कण में भगवान श्रीकृष्ण का वास है। यहां एक प्रसिद्ध पर्वत है जिसे गोवर्धन पर्वत अथवा गिरिराज

कहा जाता है। यह पर्वत छोटे छोटे बालू पत्थरों से बना हुआ है। इस पर्वत की लंबाई आठ किलोमीटर है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इसकी परिक्रमा करने से मांगी गई सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। यह आस्था की अनेकों मिसाल है। इसीलिए तिल-तिल घटते इस पहाड़ की

लोग लोट-लोट कर परिक्रमा पूरी करते हैं। हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं को लेकर गोवर्धन आते हैं और 21 किलोमीटर के फेरे लगाते हैं। श्रद्धाभाव का आलम यह है कि साल भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। लोग सर्दी, गर्मी और बरसात की परवाह किए

बना ही 365 दिन यहाँ श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

परायणिक कथा : भगवान् कृष्ण के पिता नंद महाराज ने एक बार अपने भाई उपनंद से पूछा कि, ह्यगोवर्धन पर्वत वृंदावन की पवित्र धरती पर कैसे आया तब उपनंद ने कहा कि, ह्यछापांडवों के पिता पांडु ने भी यही प्रश्न अपने दादा भीष्म पितामह से पूछा था। इस प्रश्न के उत्तर में भीष्म पितामह ने जो कथा सुनाई, वह इस प्रकार है :—

एक दिन गोलोक वृंदावन में भगवान् श्रीकृष्ण ने राधानारी से कहा कि, ह्यजब हम ब्रजभूमि पर जन्म लेंगे, तब हम वहाँ पर अनेक लीलाएँ रचाएंगे। तब हमारे द्वारा रचाई गई लीला धरतीवासियों की स्मृतियों में हमेशा रहेगी। पर समय परिवर्तन के साथ यह सब चीजें ऐसी नहीं रह पाएंगी और नष्ट हो जाएंगी। परंतु गोवर्धन पर्वत और यमुना नदी धरती के अंत तक रहेगी ह्य सब कथा सुनकर राधानारी प्रसन्न हो गई।

परिक्रमा : गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा 21 किलोमीटर की है जिसे पूरे पर्वत में पांच से छह घंटे का समय लगता है। गोवर्धन की परिक्रमा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक है। पूरे भारत से श्रद्धालु यहां पर आकर भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त करते हैं। विशेष पर्वों पर यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हो जाती है। यहां के प्रमुख पर्व गोवर्धन पूजा और गुरु पूर्णिमा हैं। इन दोनों पर्वों पर तो संख्या पांच लाख को भी पार कर जाती है। विशेष प्रत्येक महीने के शुक्ल पक्ष अष्टादशी से पूर्णिमा तक यहां पर मेला का आयोजन किया जाता है। परिक्रमा करते हुए यात्री राधे-कृष्ण के बोलते हैं जिसके कारण सारा वातावरण राधामय हो जाता है। विशेष परिक्रमा करने का कोई निश्चित समय नहीं है। परिक्रमा कभी भी किसी भी जा सकती है। साधारण रूप से परिक्रमा करने में पांच से छह घंटे का समय लगता है, परंतु दंडवत परिक्रमा करने वाले को एक हफ्ता लग जाता है।

स्कन्द पष्ठी का व्रत कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की पष्ठी तिथि को किया जाता है। तिथितत्त्व ने चैत्र शुक्ल पक्षा की पष्ठी को स्कन्द पष्ठी कहा है। यह व्रत संतान पष्ठी नाम से भी जाना जाता है। कुछ लोग आषाढ माह की शुक्ल पक्ष की पष्ठी तिथि को स्कन्द पष्ठी मानते हैं। स्कन्दपुराण के नारद-नारायण संवाद में संतान प्राप्ति और संतान की पीड़ाओं का शमन करने वाला इस व्रत का विधान बताया गया है। एक दिन पूरे से उपवास करके पष्ठी को हृद्यमूर्धरङ्ग अर्थात् कार्तिकेय की पूजा करनी चाहिए। तमिल प्रदेश में स्कन्द पष्ठी महत्त्वपूर्ण है और इसका संपादन मंदिरों या किन्हीं भवनों से होता है।

प्राचीनता एवं प्रामाणिकता : इस व्रत की प्राचीनता एवं प्रामाणिकता स्वयं परिलक्षित होती है। इस कारण यह व्रत श्रद्धाभाव से मनाए जाने वाले पर्व का रूप धारण करता है। स्कन्द पष्ठी के संबंध में मान्यता है कि राजा शर्षाति और भार्गव ऋषि च्यवन का भी ऐतिहासिक कथानक इससे जुड़ा है। कहते हैं कि स्कन्द पष्ठी की उपاسना से च्यवन ऋषि को आँखों की ज्योति प्राप्ति हुई। नवरात्रिनारायण में नवरात्र ग्या है कि



में) आदि से की जानी चाहिए अथवा उनकी पूजा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सभी शुक्ल षष्ठियों पर करनी चाहिए। तिथितत्त्व ने चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी को स्कंदषष्ठी कहा है।

कथा : भगवान् कार्तिकेय की जन्म कथा के विषय में पुराणों में ज्ञात होता है कि जब दैत्यों का अत्याचार और आतंक फैल जाता है और देवताओं को पराजय का सामना करना पड़ता है, जिस कारण सभी देवता भगवान् ब्रह्मा के पास पहुँचते हैं और अपनी रक्षाार्थ उनसे प्रार्थना करते हैं। ब्रह्मा उनके दुःख को जानकर उनसे कहते हैं कि तारक ही संभव है, परन्तु सती के अंत के पश्चात् भगवान् शिव नहाने साधना में लीन हुए रहते हैं। इन्द्र और अन्य देव भगवान् शिव के पास जाते हैं, तब भगवान् शिव उनकी पुकार सुनकर पार्वती से विनम्र करते हैं। शुभ घड़ी और शुभ मुहूर्त में शिव जी और पार्वती का विवाह हो जाता है। इस प्रकार कार्तिकेय का जन्म होता है और कार्तिकेय तारकासुर का वध करके देवों को उनका स्थान प्रदान करते हैं।

स्कंद षष्ठी : सुयोग्य संतान की प्राप्ति का व्रत

श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह मंदिर

हेतु धर्म में भगवान विष्णु का हर अवतार बहुत ही खास रहा है। उनके हर एक अवतार के पीछे कोई न कोई कारण जरूर रहा है। कहते हैं कि जब-जब धर्म के ऊपर अधर्म भारी पड़ा है, तब-तब भगवान विष्णु ने धरती पर भिन्न-भिन्न रूप में अवतार लेकर अधर्म का विनाश किया है। ऐसे में आज हम बात करेंगे उनके नरसिंह अवतार के बारे में, जोकि उन्होंने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए लिया था। भगवान जहां अपने भक्तों से असीम प्रेम करते हैं, वहीं उनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर सकते हैं। इसके साथ ही बात करते हैं उनके मंदिरों के बारे में जोकि बहुत ही पौराणिक हैं और जिनकी मान्यताएं अलग-अलग हैं। वैसे तो पूरे देश में भगवान नरसिंह के कई मंदिर स्थापित है, लेकिन हम बात कर रहे हैं सिंहाचलम मंदिर की, जोकि विशाखापट्टनम से करीब 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिंहाचल पर्वत पर स्थापित है। सिंहाचलम मंदिर को भगवान नरसिंह का घर भी कहा जाता है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इस मंदिर में नरसिंह भगवान माँ लक्ष्मी के साथ विराजमान हैं। इस मंदिर की एक खास बात यह है कि यहां उनकी प्रतिमा पर चंदन का लेप लगाया जाता है और जोकि साल में एक बार हटायी जाती है यानी कि अश्वयुतृया के दिन इस चंदन के लेप को हटा दिया जाता है। केवल उसी दिन लेप हटाने के कारण भक्तों को नरसिंह देव की प्रतिमा के दर्शन हो पाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना भक्त प्रह्लाद ने की



थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह ने किया था, उसके बाद भी भक्त प्रह्लाद ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। बताया जात है कि समय के साथ वह मंदिर धरती की कोख में समा गया जिसका पुनर्निर्माण पुरुरवा नामक राजा ने करवाया। इस बात का उल्लेख सिंहाचलम देवरात का आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। कहा जाता है कि राजा पुरुरवा ने ही धरती में समाहित हुए भगवान नरसिंह की प्रतिका को बाहर निकालकर उसे फिर से स्थापित कर चंदन के लेप से ढंक दिया। अक्षय तृतीया के दिन यहाँ बहुत बड़ा उत्सव मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन भगवान से चंदन का लेप हटाय़ा जाता है और भगवान अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। बता दें कि सुबह चार बजे से मंदिर में मंगल आरती के साथ दर्शन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इस मंदिर में लगभग साल भर भक्तों का आना-जाना लगा रहता है।

यन्त्रों चंदन के लेप से ढकी रहती है मूर्ति- पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, हिरण्यकश्यप के वध के बाद भगवान नरसिंह बहुत क्रोध में थे। हिरण्यकश्यप के वध के बाद भी उनका क्रोध शांत नहीं हो रहा था। जिस कारण उनका पूरा शरीर गुस्से से जलने लगा। तब उन्हें ठंडक पहुंचाने के लिए चंदन का लेप लगाया गया, जिससे उनके गुस्से में कमी आई। तब से ही भगवान नरसिंह की प्रतिमा को चंदन के लेप में ही रखा जाने लगा। केवल एक दिन के लिए अश्वथ तृतीया पर यह लेप हटाया जाता है। यह मंदिर भगवान नरसिंह को समर्पित है और ब्रह्मा, भव्यता तथा आध्यात्मिक वैभव का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है, जहां लाखों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हरे-भरे प्राकृतिक परिवेश में स्थित यह मंदिर वास्तुकला का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहां की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित है, जिससे भक्तों को दर्शन और पूजा में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती।

कण-कण में बसते हैं भगवान

ज्ञान प्राप्त कर लौटे श्वेतकेतु को देखते ही महर्षि उद्दालक समझ गए कि पुत्र में घमंड घर कर गया है। उन्होंने एक दिन श्वेतकेतु से पूछा, पुत्र क्या तुमने कभी उस ज्ञान की खोज की है, जिसके द्वारा अनसुना सुना जा सकता है, अदृश्य देखा जा सकता है और अज्ञेय जाना जा सकता है? महर्षि ने तब मिट्टी, पानी और बीज के उदाहरण से समझाया कि किस तरह संपूर्ण सृष्टि एक ही तत्त्व से बनी है। बीज का उदाहरण- महर्षि उद्दालक ने श्वेतकेतु को बरगद का एक फल देते हुए काटने को कहा। अंदर क्या निकला, श्वेतकेतु ने जवाब दिया, बीज। अब इस बीज को काटकर देखो कि इसके भीतर क्या है? इसमें तो कुछ भी नहीं है पिताजी, पुत्र की इस बात पर महर्षि ने मुस्कराते हुए कहा, जिसे तुम नहीं देख पा रहे, उसी से बरगद का एक बड़ा पेड़ बनेगा। पानी में नमक- इसी तरह, एक गिलास पानी में नमक घोलकर उन्होंने बेटे से पूछा, नमक कहाँ है? नमक तो पानी में धुल गया, पर इसका स्वाद हर जून में है। श्वेतकेतु को असली ज्ञान मिल चुका था कि जिस तरह नमक पानी में अदृश्य होकर भी हर जगह मौजूद है, उसी तरह

संपूर्ण ब्रह्मांड में ब्रह्म व्याप्त है। वह हर कण में है, हर जीव में। वह मुझमें भी है, वह तुम में भी। हर कण में ब्रह्म- महर्षि उद्दालक ने श्वेतकेतु को छांदोग्य उपनिषद का महावाक्य बताया। ह्यतत्त्वमसिद्ध वह तुम ही हो। यह परम वाक्य कहता है कि ब्रह्म हर जीव और हर वस्तु में है। वही परम तत्त्व है। किसी का भी अस्तित्व केवल वही तक सीमित नहीं होता, जैसा वह बाहर दिखता है। मूल तो वह ब्रह्म है, वह एटम, जो दिखता नहीं, लेकिन हमेशा से वहीं है। जो नष्ट नहीं होता और अनंत काल से चक्र में चला आ रहा है।

पंचभूत सिद्धांत- भारतीय दर्शन और आयुर्वेद में पंचभूत का महत्त्वपूर्ण सिद्धांत है। इसके अनुसार, संपूर्ण ब्रह्मांड पांच तत्त्वों से बना है पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हर जीवित प्राणी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। मौत के बाद, अंतिम संस्कार के बाद शरीर फिर इन्हीं पांच तत्त्वों में मिल जाता है। ब्रह्म विलीन हो जाता है महाब्रह्म है। हर अणु वापस चला जाता है अपने मूल में और एक बार फिर सृजन की तैयारी शुरू होती है। अनदेखा बंधन- पंचभूतों को ऐसे भी समझिए कि हम जो अनाज

खाते हैं, वह मिट्टी में
 उगता है। हमारे शरीर
 में लगता है और
 शरीर फिर मिट्टी में
 मिल जाता है। यह
 मिट्टी न जाने कितने
 बरसों से इस धरती पर
 घूम रही होगी। न जाने
 कितने रूप बदले होंगे
 इसने। कभी इसने
 इन्सान का रूप धरा
 होगा, कभी शेर
 का, लेकिन
 इसका मूल कभी
 नहीं बदला। न
 इसका ब्रह्म
 बादला
 और न
 एटम।
 हमने
 जो हवा
 ली, वह कभी किसी और
 ने भी सांसों में भरी
 होगी। यूँ अणुओं ने हर
 किसी को एक बंधन में
 भी बांध रखा है। एक
 अन्देखा रिश्ता कायम
 कर दिया है सभी के
 बीच। जब सभी में
 वही परम तत्त्व है तो
 हर जीव और वस्तु
 को सम्मान देना
 चाहिए।



उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक संपन्न मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई एवं जन- जागरूकता पर दिया गया जोर

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनसीओआरडी नाकों कॉर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध व्यापार तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक में विशेष रूप से जप्त किए गए मादक पदार्थों के विनिष्टीकरण (नष्ट करने) की



प्रक्रिया को तेज गति से पूरा करने पर चर्चा हुई। साथ ही नशीली वस्तुओं की पहचान हेतु ड्रग डिटेक्शन किट क्रय की कार्रवाई प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया,

जिससे समय रहते संदिग्ध पदार्थों की जांच की जा सके। औषधि निरीक्षक को जिले में फार्मासिस्ट दुकानों का नियमित निरीक्षण करने तथा प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री

में सल्लिप्त पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध निलंबन या लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, युवाओं एवं आमजन

के बीच नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर सहमति बनी। बैठक में डी एडिक्शन सेंटर की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार कर अंग्रेषित करने का भी निर्णय लिया गया, ताकि नशा छुड़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक उपचार व परामर्श मिल सके। बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि जिले में किसी भी केन्द्रीकृत स्थान या प्रमुख क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री से संबंधित सूचना प्राप्त

होने पर कोटपा एक्ट के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए समन्वित प्रयासों को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, सामान्य शाखा प्रभारी प्रिंस गोडविन कुजूर, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला कुछ निवारण पदाधिकारी डॉ रमन समेत अन्य मौजूद रहे।

कोडरमा के रास्ते अवैध रूप से मवेशी की तस्करी करने वाले दस तस्करी गिरफ्तार



कोडरमा। तीन चार जुलाई की मध्यरात्रि में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बिहार कि ओर से कोडरमा थाना के रास्ते अवैध पशु तस्करी द्वारा वाहन में चोरी छुपे पशु लादकर तस्करी किया जा रहा है। उक्त सूचना का सत्यापन एवं कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा कोडरमा थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बागीटांड के पास वाहन जाँच लगाया गया। वाहन जाँच के क्रम में चार (04) पिकअप वाहन को रोककर जाँच किया गया तो उक्त चारो वाहनों में कुल 36 मवेशी (28 गाय एवं 08 बच्चा) लदा हुआ पाया गया। साथ ही पशुओं की अवैध तस्करी को लेकर कुल बिहार के दस (10) तस्करी को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में कोडरमा थाना में पशु अधिनियम कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी कोडरमा विकास कुमार पासवान, एसआई अरूण कुमार सिंह एवं सशस्त्र बल, कोडरमा थाना शामिल थे।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति एवं सुरक्षा के लिए किया फ्लैग मार्च उपायुक्त ने की शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने की अपील

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा जिले में विधि-व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च झुमरी तिलैया नगर परिषद् क्षेत्र अंतर्गत असनाबाद से प्रारंभ होकर महाराणा प्रताप चौक, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए गुमो तक निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने जिलेवासियों



से अपील की कि वे मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे एवं पारंपरिक श्रद्धा के साथ शांतिपूर्ण ढंग से

मनाएँ और प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित पुलिस बल के जवान भी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता में सम्मानित की गई सेविका सहायिका

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र धुर्वा रांची में आयोजित राज्य स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी केन्द्रीय मंत्री महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग भारत सरकार एवं राज्य मंत्री, सावित्री ठाकुर के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र चिगलाबर हरिजन टोला कोड 320 की सहायिका सुनीता देवी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोडरमा की सेविका मीरा देवी, रेखा देवी, सुष्मा देवी शामिल थीं। इस कामयाबी के लिए सहायिका एवं पूरे टीम को कनक कुमारी तिरुकी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कोडरमा द्वारा बधाई दे कर हर्षवचक की साथ ही इनके द्वारा कहा गया कि इस



तरह के प्रतियोगिता से सहायिकाओं में कार्य करने हेतु नई ऊर्जा मिलता है। वहीं डॉ रेखा रानी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कोडरमा के द्वारा बधाई दी गई। इस अवसर पर ईसीसीई कार्यक्रम के सफल प्रशिक्षक के तौर पर डॉ रेखा रानी को भी अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र दे कर के सम्मानित किया गया। पप्पू कुमार यादव, प्रखंड समन्वय एवं पूनम कुमारी, महिला पर्ववैशिका के द्वारा बधाई दिया गया।

उपायुक्त ऋतुराज ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

कोडरमा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज द्वारा ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली तथा भौतिक संरचना की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ईवीएम की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोताही न हो तथा निर्धारित प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर व अन्य मौजूद रहे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए कार्रवाई का निर्देश

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से आमजनों से सीधे संवाद स्थापित किया और उनकी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनता दरबार के दौरान फरियादियों ने कई व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याएं सामने रखीं, जिनमें विद्यालय में चारदीवारी निर्माण करने, फुलवरिया में बिजली आपूर्ति, आवास निर्माण में बाधा डालने, रैयती जमीन को हड़पने, बिजली आपूर्ति से संबंधित, नाली एवं सड़क निर्माण से संबंधित जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। इन शिकायतों पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित विभागों और प्रखंड कार्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की शीघ्र जांच कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।



जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

हिट एंड रन मामलों में मुआवजा भुगतान, ब्लैक स्पॉट सुधार तथा जन- जागरूकता पर जोर

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में लिये गये निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त



महोदय ने हिट एंड रन मामलों में मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा

जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर

त्वरित कार्रवाई कर पीड़ितों या उनके परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान की जाये। कोडरमा घाटी में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सुरक्षा साइनेज लगाने और ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में सुधार के लिए सड़क चौड़ीकरण कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को शीघ्र इलाज उपलब्ध कराने के लिए गुड सेमेरिटन कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न स्थानों पर बैनर और पोस्टर लगाने का भी निर्देश दिया। बैठक में सड़क सुरक्षा

नियमों के प्रति आम नागरिकों में जन- जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग को सड़क सुरक्षा हेतु स्ट्रीट लाइट तथा अन्य सुरक्षा साइनेज लगाने के निर्देश दिये गये। जिला परिवहन पदाधिकारी को जिले में ऑटो एवं टोटो वाहनों के रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष कैंप आयोजित करने तथा नियमित रूप से वाहन चेकिंग अभियान संचालित करने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ऋतुराज ने

सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी निर्णयों का प्रभावी रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम किया जा सके और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सभी अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी समेत अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

हाथी के हमले ने छीना बेटा, गुन्ना सिंह ने थाना परिजनों का हाथ, गुआवजा दिलाने में निमाई सक्रिय भूमिका



हजारीबाग। ज़िले के बहेरी पंचायत अंतर्गत हरिजन टोला निवासी रंजीत कुमार दास की असमय मृत्यु ने पूरे इलाके को शोक और पीड़ा में डुबो दिया है। शुक्रवार की सुबह जब रंजीत शौच के लिए गुडुवा जंगल गया था, तभी जंगली हाथी के अचानक हमले में उसकी मृत्यु हो गई। यह हृदयविदारक घटना न केवल एक परिवार को उजाड़ गई, बल्कि पूरे समाज को मानव और वन्यजीव के बीच बढ़ते संघर्ष की भयावहता का एहसास भी करा गई। घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस पार्टी के सदर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी और नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और मृतक के परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। मौके पर बहेरी पंचायत के मुखिया पप्पू यादव और स्थिियां पंचायत के मुखिया इम्रतयाज आलम भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में पीड़ित परिवार को हर्षसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुन्ना सिंह ने वन विभाग और मुफ्तसिल थाना को त्वरित रूप से सूचित कर राहत और बचाव कार्यों को गति देने का आग्रह किया। उन्होंने शव को सदर अस्पताल भिजवाकर पोस्टमार्टम की तत्काल व्यवस्था कराई और अधिकारियों से बात कर ₹50,000 की तात्कालिक मुआवजा राशि पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेष मुआवजा राशि भी जल्द से जल्द परिवार को दी जाएगी। मौके पर पत्रकारों से बातचीत में मुन्ना सिंह जी ने कहा कि यह केवल एक प्राकृतिक दुर्घटना नहीं है, बल्कि एक प्रशासनिक और पारिस्थितिकीय चेतावनी भी है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों और इंसानों के बीच बढ़ते टकराव को अब गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सरकार से मैं आग्रह करता हूँ कि ऐसी घटनाओं पर त्वरित, मानवीय और संवेदनशील प्रतिक्रिया देनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं इस मामले में निगरानी करते रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि रंजीत के परिवार को न्याय, आर्थिक सहायता और सामाजिक सम्मान मिल सके। सिंह ने यह भी माँग की कि जंगल से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस योजनाएँ बनाई जाएँ। चेतावनी प्रणाली, सुरक्षा दीवारें, वन निगरानी टीमों और पंचायत प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक समन्वित रणनीति बनाई जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

प्रसव के सात घंटे बाद प्रसूता की हजारीबाग ले जाने के क्रम मौत, परिजनों ने किया जम व तोड़फोड़

चौपारण। प्रखंड के उपस्वास्थ्य केंद्र चयकला से सेवानिवृत्त एनएम अरुणा सिन्हा के आवास में बेलाही पंचायत की एक गर्भवती महिला का प्रसव व 7 से आठ घण्टे के बाद प्रसूता की मौत के बाद परिजनों द्वारा ए एनएम के आवास पर जमकर तोड़फोड़ की गई। जानकारी के अनुसार बेलाही पंचायत के ग्राम बेलाही के नागेश्वर ठाकुर अपनी छोटी बहू बबिता देवी पति पंकज ठाकुर उम्र लगभग 25 वर्ष के प्रसव के लिए गुरुवार की सुबह सेवानिवृत्त एनएम अरुणा सिन्हा के आवास पर लेकर गए थे। इस दौरान दोपहर में नार्मल डिलीवरी से प्रसूता ने एक बच्चे को जन्म दी। बच्चे के जन्म के बाद महिला को खून की कमी हों गई। जिसके बाद एनएम द्वारा प्रसूता को हजारीबाग रेफर कर दिया गया, पर परिजनों द्वारा रेफर के काफ़ी देर बाद प्रसूता को चौपारण के एक निजी अस्पताल में लाया गया। जहां से उसे हजारीबाग ले जाने को कहा गया। उसके बाद प्रसूता को आयोग्य अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद परिजन सदर अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने प्रसूता को मृत घोषित कर दिया। यह जानकारी मृतक के चचेरे भाई ने दी।

मुहर्रम को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च

चौपारण। मुहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चयकला, महाराजगंज एवं भदेल कर्बला क्षेत्रों में संयुक्त फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च चौपारण अंचल अधिकारी संजय यादव, सर्कल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर प्रसाद तथा थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के नेतृत्व में संपन्न हुआ। फ्लैग मार्च मुख्य बाजारों, जुलूस मार्गों तथा संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुज़रा। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों एवं मुहर्रम कमेटी के सदस्यों से संवाद कर उन्हें शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की अप्रवाहों से दूर रहने और कानून-व्यवस्था के सहयोग करने का आग्रह किया गया। ड्रोन कैमरे से निगरानी: फ्लैग मार्च के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने हेतु ड्रोन कैमरे के माध्यम से पूरे जुलूस मार्ग का हवाई निरीक्षण किया गया। यह व्यवस्था भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की पहचान और संभावित समस्याओं की रोकथाम हेतु की गई। सख्त कार्रवाई की चेतावनी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था भंग करने की कोशिश करता है या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस फ्लैग मार्च में पुलिस बल के अलावा प्रशासनिक अधिकारी भी पूरे समय मुस्तैद नजर आए। स्थानीय जनता ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए मुहर्रम के अवसर पर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय जनता दल का 29 वां स्थापना दिवस आज, विभिन्न स्थलों पर होगा कार्यक्रम

कोडरमा। राष्ट्रीय जनता दल का 29वां स्थापना दिवस 5 जुलाई को मनाया जाएगा। स्थापना दिवस को लेकर कोडरमा जिले के सभी प्रखंडों में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजद जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि राजद का 29 वां स्थापना दिवस कोडरमा जिले के सभी नगर निकाय और प्रखंडों में मनाया जाएगा और पार्टी का झंडा फहराया जाएगा। स्थापना दिवस पर प्रधान कार्यालय, विष्णुपुर आश्रम रोड में नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं लोकाई मैदान में कोडरमा पंचायत नगर निकाय नगर अध्यक्ष डॉ कमालउद्दीन, मो मुबारक के नेतृत्व में स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जबकि डोमचांच में स्व. कपूरी ठाकुर चौक डोमचांच में डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष कुमार चंद्रवंशी, प्रखण्ड अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद के नेतृत्व में कार्यक्रम होगा। जबकि मरकचो प्रखण्ड में प्रखण्ड मुख्यालय स्थित स्टेडियम में प्रखण्ड अध्यक्ष अशोक दास के नेतृत्व में कार्यक्रम होगा। सतगावां में प्रखण्ड अध्यक्ष अमर यादव के नेतृत्व में डॉ सरयू यादव के घर के पास, बासोडीह में स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

डोमचांच प्रमुख डॉ सत्यनारायण यादव की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक संपन्न

डोमचांच। प्रखण्ड मुख्यालय सभागार में प्रखण्ड प्रमुख डोमचांच डॉ सत्यनारायण यादव की अध्यक्षता में दिन शुक्रवार को पंचायत समिति स्तर पर मासिक समीक्षा बैठक की गई, जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी शोला पाण्डेय सहित प्रखण्ड के कर्म, अंचल कर्मी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान बाल विकास परियोजना, खाद्य आपूर्ति एवं समग्र शिक्षा 15वें वित्त, जमीन संबंधित समस्याएं, मर्रेगा, प्रधानमन्त्री आवास व अन्य सभी विभागों के साथ बिंदुवार समीक्षा की गई, समीक्षा के दौरान प्रखंड प्रमुख डॉ सत्यनारायण यादव ने भीड़िया को बताया कि सभी पंचायतों में किसानों को युद्ध स्तर पर बीज वितरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक के सम्पर्क पथ के निमाणाधीन कार्य का लिया जायजा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को जेपी गंगा पथ अन्तर्गत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक के सम्पर्क पथ के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निमाणाधीन कार्य को तेजी से पूर्ण करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ओपी शाह सामुदायिक भवन, पटना सिटी एवं पटना घाट के पास रूककर निमाणाधीन कार्य को देखा और साइट मैप के माध्यम से निर्माण कार्य से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभहोकर पटना घाट होते हुये



जेपी गंगा पथ तक सम्पर्कता प्रदान करेगा। इस पथ के निर्माण

से अशोक राजपथ एवं मारुफगंज मंडी क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात मिलेगी एवं जेपी गंगा पथ का एनएच-30

(पटना-बख्तियारपुर पथ) से सम्पर्कता प्राप्त होगी। 52.54 करोड़ की लागत राशि से पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक पथ का निर्माण किया जा रहा है। इस पथ का निर्माण राज्य सरकार एवं रेलवे के बीच भूमि के परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर किया जा रहा है। यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पटना घाट होते हुए जेपी गंगा पथ तक संपर्कता प्रदान करेगा। इस पथ की कुल लंबाई 1.5 किमी है। प्रस्तावित पथ में अशोक राजपथ पर प्लाई ओवर का प्रावधान किया गया है। पथ के दोनों तरफ दो लेन का सर्विस पथ एवं सर्विस पथ के साथ स्ट्रीट लाईट, रोड मार्किंग इत्यादि का यथोचित प्रावधान किया गया है।

अगिआंव में वीस सूत्री क्रियान्वय समिति की पहली बैठक आयोजित

संचालित योजनाओं की धरातली रूप देने में सभी सहयोग करें अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार यादव



अगिआंव। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की पहली समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री प्रखण्ड अध्यक्ष - धर्मेन्द्र सिंह यादव तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सचिव - नीरज कुमार के देखरेख में आयोजित की गई। विशुनी कार्यक्रम समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि सरकार की संचालित योजनाओं पर समीक्षा करने से धरातली व सार्थक रूप योजनाओं का लाभ आम जनों तक पहुंच सकता है इस कार्य में हम सभी सदस्यों को मिलकर संबंधित विभाग को सहयोग करना होगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ,आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, स्वास्थ्य ,

शिक्षा, मनरेगा, पेयजल, वृद्धा पेंशन सहित मुख्यमंत्री अम्बेडकर समग्र विकास योजना के तहत हर गरीब को 3 डिसमिल जमीन देन, मुख्यमंत्री जल-नल योजना, पंचायत सरकार भवन, मुख्यमंत्री पुस्तकालय हर पंचायत में बनवाने हर पंचायत में खेल मैदान बनाने एवं सरकार के सभी चल रहे योजनाओं पर चर्चा की गई। इस बैठक में बीस सूत्री प्रखण्ड उपाध्यक्ष-कुन्दन कुमार कुशवाहा, सदस्य-भगवान वर्मा, परमानंद सिंह, ब्रजेश कुमार राय, मोहम्मद अजहर अहमद, कलावती देवी, विनोद शर्मा, रामाकांत चंद्रवंशी, नमूना देवी , अरुण पासवान, वीर बहादुर सिंह, श्रीमन नारायण, सतेन्द्र सिंह कुशवाहा एवं प्रखण्ड अन्न योजना ,आवास योजना के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलाकारों को 3000 रुपए मासिक पेंशन चालू पर मुख्यमंत्री को दिया साधुवाद, किया हर्ष व्यक्त, दिया वधाई



नव प्रदेश संवाददाता
कलाकार पेंशन योजना चालू करने से सांस्कृतिक विरासत का होगा संरक्षण संवर्धन एवं समृद्ध: किरण देव यादव
आर्केस्ट्रा में नावालिक लड़की द्वारा अश्लील गीत नृत्य पर सरकार द्वारा रोक लगाने की आदेश स्वागत योग्य

पेंशन चालू करने की घोषणा करने पर हर्ष व्यक्त किया है तथा विहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को साधुवाद दिया है वहीं सभी कलाकारों को बधाई दिया। ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष किरण देश यादव द्वारा विगत दिनों मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र प्रेषित कर सांस्कृतिक विरासत को संवर्धन संरक्षण एवं समृद्ध करने तथा कलाकारों को सम्मान पेंशन देने की मांग किया गया था। श्री यादव ने कहा कि देश बचाओ अभियान की पहल संघर्ष एकता एकजुटता रंग लाया एवं सतत समग्र प्रयास का जीत हुआ।

बिजली विभाग के कार्यालयक अभियंता 75 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

खगड़िया। जिले में बिजली विभाग के कार्यालयक अभियंता गोपाल कुमार को निगरानी विभाग की टीम ने 75 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए री हाथ गिरफ्तार कर लिया है। यह रिश्वत मानव बल (मजदूर) के पद पर नियुक्ति के नाम पर मांगी गई थी। अभियंता को खगड़िया स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पीड़ित शख्स ने खुद निगरानी ईकाई में शिकायत दर्ज कराई थी।



टीबी मरीजों की जांच और इलाज में सहयोग व लोगों को जागरूक करते है सूर्य नारायण

जिला यक्ष्मा केंद्र में डीपीसी पद पर हैं कार्यरत, टीबी मरीजों को देते हैं पोषण संबंधी सहायता

टीबी के मरीजों को इलाज के दौरान हर साह 1000 रुपए उनके खाते में भेजे जाते हैं



तरीके बताते हैं तथा सरकार से आर्थिक लाभ दिलवाने में अग्रिम

आम लोगों से भी निक्षय मित्र बनकर पोषण संबंधी मदद करने का आग्रह करते हैं। टीबी के कारण रोगी का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर हो जाता है। इससे सुरक्षित रहने के लिए दवा सेवन की ही संतुलित आहार का सेवन जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि जब भी मौका मिलता है, ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित लक्षण वाले लोगों को बताता हूँ कि अगर दो हफ्ते से ज्यादा समय से खांसी, बलमाम के साथ बुखार जैसे लक्षण हैं तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या जिला टीबी अस्पताल जाएँ। वहाँ निःशुल्क जाँच, इलाज के साथ मुफ्त दवाएं दी जाती हैं। उसका सेवन करें। दवाओं के पूरा सेवन कर ही टीबी के गंभीर स्तरों से बचा जा सकता है। सूर्य

नारायण साह ने बताया कि अब सरकार ने बहुत ही बढ़िया पहल की है। अब टीबी के मरीजों को इलाज के दौरान हर माह 1000 रुपए उनके खाते में भेजी जाती है। ताकि वे दवाओं के साथ पौष्टिक आहार का सेवन कर सकें। टीबी रोगियों की पहचान में हो रही है आसानी

टीबी संक्रमित रोगियों की पहचान के लिए मरीजों के सम्पर्क में रहने वाले लोगों को सीवाई इंजेक्शन दी जा रही है ताकि यह पहचान हो सके कि उनके अंदर टीबी का बैक्टीरिया है या नहीं। उन्होंने बताया कि अगर इंजेक्शन लेने वाले व्यक्ति में टीबी रोग पाई जाती है तो उन्हें टीबी की दवा खिलाई जाएगी। सम्पर्क में रहने वाले

लोगों को टीपीटी दवा चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के अन्तर्गत तीव्र गति से जिले में टीबी मरीजों की खोज की जा रही है। संतुलित आहार का सेवन करें व संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें

एक नजर

रेलवे सुरक्षा बल, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा शराब तस्करी के विरुद्ध की जा रही है अभियान

नवप्रदेश/हाजीपुर। महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर अमरेश कुमार (IRPFS) के द्वारा बिहार राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश से बिहार राज्य में रेल के माध्यम से की जा रही शराब तस्करी के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, डीडीयू मंडल जैथिन बी. राज (IRPFS) द्वारा डीडीयू जंक्शन परिक्षेत्र से बिहार राज्य जाने हेतु शराब तस्करी द्वारा चलाये जा रहे सिंडिकेट पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक चन्दौली, आदित्य लांहे (IPS) से समन्वय कर शराब तस्करी में सलिस अपराधियों द्वारा शराब तस्करी के लिए अपनये जाने वाले विभिन्न तरीकों पर गहन अध्ययन करते हुए शराब तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कदम उठाये जाने हेतु योजना बनाई गयी तथा उस पर अमल करते हुए निरीक्षक प्रभारी, रेलवे सुरक्षा बल, यात्री सुरक्षा सेल, डीडीयू, गणेश सिंह राणा के नेतृत्व में डीडीयू मंडल के विभिन्न रेसुब पोस्टों से युवा व दक्ष जवानों का चयन करते हुए सीपीडीएस टीम का गठन किया गया।



वर्दी में हथियार के साथ रील बनाने वाली महिला दरोगा गिलाबित

बिक्रमगंज। वर्दी में और हथियार के साथ रील बनाने के आरोप में बिक्रमगंज थाना में पदस्थापित महिला दरोगा सोनी चौधरी और होमगार्ड के जवान सोनू कुमार को एसपी रोहतास रौशन कुमार ने निलंबित कर दिया है। एसपी रोहतास ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस कमियों के द्वारा लगातार रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। खासकर इंस्टाग्राम पर पुलिस कमियों के द्वारा वर्दी और हथियार के साथ भोजपुरी गानों पर रील बनाई जा रही है। बड़ी बात यह है कि रील बनाने में महिला दरोगा से लेकर सिपाही तक पीछे नहीं है और ज्यादातर रील थाने में या फिर ड्यूटी के दौरान बनाई जा रही है। हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि हम नहीं करते है, लेकिन पुलिस कमियों का रील काफी वायरल हो रहा है। बड़ी बात है कि रील बनाने के लिए पुलिस की वर्दी में पुलिसकर्मी पुलिस की गाड़ी और हथियार भी प्रदर्शित कर रहे हैं। बता दें कि पुलिस मुख्यालय ने पहले ही पुलिस कमियों को वर्दी में रील बनाने पर एतराज जाहिर किया है। इसके बावजूद वर्दी, हथियार, पुलिस की गाड़ी तथा थाने के परिसर में भोजपुरी गानों पर बनाए गए रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं।



शादी का झांसा देकर दो वर्ष तक किया चौन शोषण, 6 लाख रुपये नी ऐटा

बिक्रमगंज। रोहतास जिला के बिक्रमगंज शहर की एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दो वर्ष तक शारीरिक संबंध बनाने और 6 लाख 28 हजार रुपये ऐंठने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी कराई है। युवती का आरोप है कि वह एक फाइनंस कंपनी में काम करती थी। वहां उसकी दोस्ती एक चेनारी थाना क्षेत्र के हरिगेन कुमार नाम के युवक से हो गई। युवक ने सासाराम में घर बनाने के लिए उक्त युवती से 6 लाख रुपए का लोन निकलवा कर और उसके सोने चांदी के आभूषण 28 हजार में गिरवी रखवाकर ले लिया। इसी बीच युवक ने 15 मार्च को दूसरी लड़की से शादी कर लिया। जब इसने अपने रुपये मांगी तो वह युवती और उसके परिवार वालों को जान से मारने की धमकी देने लगा। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

सुधा डेयरी द्वारा आर केन्द्रीय विद्यालय में सहकारिता कार्यशाला का आयोजन

आरा भोजपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सुधा डेयरी आर के द्वारा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आरा भोजपुर में कक्षा 9 एवं 10 के छात्र-छात्राओं के बीच सहकारिता व्याख्यान हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला में सुधा डेयरी आर के प्रबंध निदेशक धनंजय कुमार द्वारा सहकारिता क्षेत्र में विभिन्न पहलु एवं प्रयासों के साथ व्यक्ति की कार्यशैली एवं जीवन शैली को किस तरह सुदृढ़ कर एक बेहतर समाज एवं देश का निर्माण किया जा सकता है इस विषय पर उन्होंने विस्तृत व्याख्यान छात्र-छात्राओं के बीच दिया। वहीं इस कार्यशाला के माध्यम से केंद्रीय विद्यालय के एमएस अहमद ने इस मौके पर सहकारिता को सशक्त बनाने एवं जीवन के हर मौके पर सहकारी कार्य शैली को अपनाने की अपील छात्र-छात्राओं के बीच की गई, इसके साथ-साथ इस कार्यशाला में सहकारिता विषय पर विस्तृत रूप से व्याख्यान के माध्यम से उपस्थित लोगों ने इसके मूल मंत्र को समझाया ताकि भविष्य में छात्र-छात्राओं का उसका सीधा लाभ मिल सके।



सीमा अवधि के तहत होगा प्रखंड समन्वयक का स्थानांतरण सीडीपीओ

सहार भोजपुर। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रेणु कुमारी ने बताया कि सीमा अवधि के तहत प्रखंड समन्वयक का स्थानांतरण होगा। तत्काल हुए स्थानांतरण में 3 दिन का समय महिला पर्यवेक्षका का योगदान करने की तिथि निर्धारित गई थी। लेकिन नहीं अभी तक कहीं विरमीत हुआ है और नहीं योगदान हो पाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के अनुसार सभी प्रखंड समन्वयक का मार्च 2026 तक योजना की सीमा अवधि निर्धारित है सूक्ति 9 माह बचा हुआ है इसलिए स्थानांतरण से पूर्व जानकारी वरीय पदाधिकारी को पर के माध्यम से जानकारी प्राप्त है यदि मार्च 2026 में योजना अवधि विस्तारित की जाती है तो जून 2026 में स्थानांतरण का प्रावधान प्रखंड द्वारा विवरणी लेते हुए 10 से 12 किलोमीटर के दायरे में किया जा सकता है क्योंकि सभी प्रखंड स्थानांतरण से पूर्व जानकारी सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से लिया गया।



अखिलेश कुमार बिहार माजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मनोनित किए गए

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। स्थानीय दिनारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दिनारा प्रखंड निवासी भाजपा के कर्मट युवा नेता अखिलेश कुमार को बिहार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाये जाने पर स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिलीप जयसवाल, राजनाथ सिंह सहित अन्य नेताओं को साधुवाद दिया है। वहीं कार्यकर्ताओं सहित लोगो ने उन्हें बधाईया दी है। बधाई देने वालों में दिनारा विधानसभा क्षेत्र के विनय कुमार सिंह, मनोज कुमार वर्मा, राहुल पांडे, भरत पासवान, मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा, शशि भूषण सिंह, धनंजय सिंह,वीर बहादुर सिंह, सुजीत कुमार, अभय कुमार, धनेश्वर प्रसाद, पप्पू जी सहित कई लोग शामिल हैं।



गांधी इंटर कॉलेज बेलदौर के खेल मैदान में जनसभा को संबोधित करेगें प्रशांत किशोर: विनय कुमार वरुणा

नवप्रदेश/खगड़िया। बिहार बदलाव को लेकर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर खगड़िया जिला के बेलदौर प्रखंड आ रहे हैं जिसको लेकर तैयारी शुरु कर दी गई है। वहीं जनसुराज के जिलाध्यक्ष विनय कुमार वरुणा ने बताया की 13 जुलाई को गांधी इंटर विद्यालय बेलदौर के मैदान में जन सुराज पार्टी खगड़िया के द्वारा बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया जाएगा जिसको लेकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा बिहार बदलाव को लेकर सभा की तैयारी जोर शोर से किया जा रहा है। उक्त सभा में हजारों-हजार के संस्था में कार्यकर्ता एवं जनता मालिक की जुटान होगी।

आपदा प्रबंधन में डेटा, विभागीय समन्वय और जन सहभागिता महत्वपूर्ण : राज्यपाल आपदा प्रबंधन तैयारियों को दीर्घकालिक रणनीति के रूप में विकसित किया जाए : गुरमीत सिंह

देहरादून (हि.स.)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने शुक्रवार को आईटी पार्क, देहरादून स्थित उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का भ्रमण किया और अधिकारियों से मानसून के दृष्टिगत तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने वर्षा की वर्तमान स्थिति, नदियों के जलस्तर, मार्गों की स्थिति और आगामी दिनों के मौसम पूर्वानुमान के साथ ही केंद्र की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। राज्यपाल ने सभी जिलाधिकारियों के साथ वरचुअल बैठक कर मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन में तीन मुख्य पहलुओं, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, विभागों के बीच समन्वय और सामुदायिक सहभागिता को केंद्र में रखकर कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन तैयारियों को केवल तात्कालिक आवश्यकता तक सीमित न रखते



हुए इसे दीर्घकालिक रणनीति के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के स्वरूप में परिवर्तन और आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है, ऐसे में राज्य की विषम भौगोलिक

परिस्थितियों पर आधारित आपदा प्रबंधन की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। राज्यपाल ने उत्तराखण्ड के आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण के

क्षेत्र में पेशेवर ढंग से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर चुनौती एक अवसर भी होती है, जिससे हम अपनी तैयारियों और रणनीतियों को और अधिक सुदृढ़ बना सकते हैं। उन्होंने विगत राज्य की आपदा रिस्पांस टाइम में

लगातार सुधार के लिए भी आपदा प्रबंधन विभाग की सराहना की। राज्यपाल ने विगत वर्षों के आपदा अनुभवों से सीख लेते हुए तैयारियों को उसी अनुरूप सुधार करने और इनका दस्तावेजीकरण करने के भी

निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि आपदा के समय अफवाहें और असत्यापित सूचनाएं आमजन में भय और भ्रम उत्पन्न करती हैं। इसके समाधान के लिए एक केंद्रीकृत सूचना प्रणाली विकसित की जाए, जिससे लोगों तक त्वरित, प्रमाणिक और स्पष्ट जानकारी पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने प्रदेश स्तर पर मानसून की तैयारियों को लेकर एक प्रस्तुतीकरण दिया। सभी जिलाधिकारियों ने वरचुअल रूप से जुड़कर अपने-अपने जनपदों में मानसून की तैयारियों के संबंध में राज्यपाल को जानकारी दी। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियाव्ययन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद अबैदुल्लाह अंसारी, डॉ. शांतनु सरकार, एस के बिरला, डॉ. बिमलेश जोशी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर एक और दल ने छोड़ा प्रधानमंत्री ओली का साथ, समर्थन वापसी की घोषणा

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को समर्थन दे रहे एक और दल नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने समर्थन वापसी का फैसला लेकर उनका साथ छोड़ दिया है। अभी कुछ दिन पहले ही जनता समाजवादी पार्टी ने सरकार से समर्थन वापसी का फैसला लिया था। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की केंद्रीय समिति की शुरुकार को हुई बैठक हुई, जिसके बाद पार्टी की अध्यक्ष रंजिता श्रेष्ठ ने पत्रकारों को बताया कि केंद्र की ओली सरकार और सुदूर पश्चिम की प्रदेश सरकार को दिए जा रहे समर्थन को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। गुरुवार को नेकपा एमाले के नेतृत्व वाली सुदूर पश्चिम सरकार में नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के एक मंत्री को मुख्यमंत्री कमल शर्मा ने बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। रंजिता श्रेष्ठ ने बताया कि उनकी पार्टी के मंत्री को बिना केंद्र की अनुमति के बर्खास्त नहीं किया गया होगा, इसलिए प्रदेश सरकार के साथ-साथ ओली सरकार को भी दिए जा रहे समर्थन को वापस लिया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के चार सांसद हैं। इनमें से एक सांसद अरुण चौधरी ओली सरकार में पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री हैं। पार्टी की तरफ से उन्हें भी इस्तीफा देने का निर्देश दिया गया है। यह दूसरी पार्टी है जिसने ओली सरकार से समर्थन वापस लिया है। इससे पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रही जनता समाजवादी पार्टी ने भी अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा की थी। इस पार्टी के पास पांच सांसद प्रतिनिधि सभा में और तीन सांसद राष्ट्रीय सभा में हैं। जनता समाजवादी पार्टी की तरफ से समर्थन वापस लिए जाने के साथ ही ओली सरकार राष्ट्रीय सभा में अल्पमत में आ गई है, जबकि प्रतिनिधि सभा में उन्हें दो तिहाई के करीब बहुमत है।



नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैट करने वाले बांग्लादेशी नागरिक को एसएसबी ने दबोचा

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैट कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। करीब एक दर्जन पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैट करने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसएसबी के कमांडेंट ने बताया कि नेपाल में पिछले कई दिनों से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अहमद सैयद इकबाल को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह भारत में अवैध रूप से घुसपैट का प्रयास कर रहा था। उसके पास से मिले पासपोर्ट में 22 जून को नेपाल के आने का स्टॉप लगा हुआ है। यानी कि करीब 10 दिनों से वह भारत में घुसपैट की फिराक में था। कमांडेंट ने बताया कि यह बांग्लादेशी नागरिक गलती से या रोजगार के चक्कर में भारत में प्रवेश की कोशिश नहीं कर रहा था, बल्कि इसका मकसद कुछ और ही लग रहा है। एसएसबी के पास इस बात की खुफिया जानकारी है कि नेपाल के सीमा क्षेत्र में करीब एक दर्जन पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिक मौजूद हैं, जो भारत में आतंकी योजना के साथ घुसपैठ की तैयारी में हैं। इस खुफिया सूचना के मिलने के साथ ही एसएसबी ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया है और सतर्कता बढ़ा दी है। नेपाल पुलिस के साथ मिल कर घुसपैट को रोकने का हرسंधेव प्रयास किया जा रहा है।



पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैट रोकी, 30 को किया डेर

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैठ को विफल कर दिया। जवानों ने इस दौरान ताबड़तोड़ गोलीबारी कर 30 आतंकवादियों को मार गिराया। मोरे गए आतंकवादियों का संबंध तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से बताया गया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) आज सुबह बताया कि यह सफलता खैबर पख्तुनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के हसन खेल तहसील में मिली है। सेना ने यहां पाकिस्तान-अफगान सीमा के जरिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 30 आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर के अनुसार, पिछले साल जुलाई में सरकार ने टीटीपी को प्रतिबंधित करते हुए फिक्तना अल खवारिज नाम दिया था। मोरे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया गया है। आईएसपीआर ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों सतर्कता और तत्परता की सराहना की।



हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स (हि.स.)। हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से गुरुवार सुबह निधन हो गया। उन्हें मालिबु स्थित उनके घर पहुंचे और उन्हें बेहोश पाया गया। उन्होंने फिल्म निर्देशक क्वेंटिन टारन्टिनो की कई फिल्मों में यादगार अभिनय किया है। उनकी प्रवक्ता लिज रॉड्रिगेज ने यह जानकारी दी। सीएफएन की खबर के अनुसार, इस संबंध में बोहेमिया एंटरटेनमेंट के सुसान फेरिस और रॉन स्मिथ और प्रवक्ता लिज रॉड्रिगेज ने संयुक्त बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि माइकल मैडसेन हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक थे। उन्हें बहुत से लोग याद करेंगे। लॉस एंजिल्स शेरिफ डिपार्टमेंट लॉस्ट हिल्स स्टेशन के वॉच कमांडर सार्जेंट क्रिस्टोफर जौरिगु ने कहा कि सुबह अधिकारी मालिबू में मैडसेन के घर पहुंचे और उन्हें बेहोश पाया। स्थानीय समयानुसार सुबह 8:25 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मैडसेन की कुछ यादगार फिल्मों में रिजर्वीयर डॉग्स, वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड और किल बिल प्रमुख हैं। किल बिल में उनकी खलनायक की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उन्होंने 80 के दशक की शुरूआत में टीवी को अभिनय का माध्यम चुना।1983 में 'सेंट एल्सवेयर' में एक शुरुआती भूमिका ने उन्हें पहली बार अभिनय के मानचित्र पर ला खड़ा किया। इसके कुछ समय बाद वह फिल्मों की दुनिया में चले गए। 1991 में रिडले स्कॉट निर्देशित फिल्म थेल्मा एंड लुईस में अपनी छाप छोड़ी। इसमें उन्होंने लुईस (सुसान सारंडन) के प्रेमी जिमी की भूमिका निभाई। अगले साल उन्होंने टारन्टिनो के साथ पहली बार रिजर्वीयर डॉग्स में काम किया। हिंसा प्रधान इस फिल्म में मैडसेन ने क्रू मिस्टर ब्लॉड की भूमिका निभाई। उन्होंने एक्शन फिल्मों में ही दूर मिस्टर ब्लॉड की भूमिका निभाई। उन्होंने एक्शन फिल्मों में अपनी पत्नी डीअन्ना मैडसेन के साथ विवाद के बाद घरेलू हिंसा के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेता ने एक महीने बाद डीअन्ना मैडसेन से तलाक के लिए अर्जी दी। इससे पहले 2019 में भी मैडसेन को कुकर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस समय वो लगभग 18 फिल्मों में काम कर रहे थे।



नई दिल्ली में यूपीआईटीएस 2025 का मेगा रोड शो, यूपी के निर्यात विजन को मिला राष्ट्रीय मंच

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 को लेकर दिल्ली में हुआ भव्य रोड शो



साकार करने की दिशा में एक अहम पड़ाव है। इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) के सहयोग से यह आयोजन उत्तर प्रदेश की वैश्विक व्यापार मानचित्र पर स्थापित करने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को

दृतावास अधिकारियों के समक्ष आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया।

प्रस्तुत किया निर्यात विजन का आईना

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि यूपीआईटीएस 2025

केवल ट्रेड शो नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के हर जिले की शक्ति, परंपरा और नवाचार का वैश्विक प्रदर्शन है। यह राज्य के निर्यात विजन का आईना है, जिसे मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में नये आयाम मिल रहे हैं। प्रमुख सचिव विभाग आलोक कुमार ने कहा कि हर संस्करण के साथ यूपी आईटीएस स्थानीय व्यवसायों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में सेतु बन रहा है। अब समय है कि यूपी के उत्पाद वैश्विक ब्रांड बनें और यह रोड शो उसी दिशा में हमारा आत्मविश्वास दिखाता है।

वयोवृद्ध संत अमय गुनि का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

जोधपुर (हि.स.)। नानक संप्रदाय के आचार्य प्रवर हगामी लाल महाराज के पट्टधार शिष्य आचार्य अभय मुनि, सेवाभावी भूपेन्द्र मुनि, सरलमना ऋषि मुनि का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शुक्रवार को जयकारों के साथ आचार्य श्री जयमल स्मृति भवन पहली पोल महामंदिर में हुआ। श्री नवकार नवयुगक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा एवं मीडिया प्रभारी जितेन्द्र नाहर ने बताया कि 95 वर्षीय आचार्य अभय मुनि के मंगल प्रवेश पर पुरुषों ने श्वेत वस्त्र एवं महिलाओं ने चूंदड़ी साड़ी में मंगल गीत के साथ जुलूस में अपनी सहभागिता

निभाई। चातुर्मास में प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानचर्चा, प्रतिक्रमण, धर्मचर्चा इत्यादि धार्मिक कार्यक्रम होंगे। चातुर्मास को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ महामंदिर के अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, महामंत्री शांतिलाल लुंकड़, कोषाध्यक्ष कुशलराज डोसी, मानवरक्षक गौतमचंद बोहरा, श्री नवकार नवयुगक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा, अध्यक्ष अजय मेहता, मंत्री मुकेश लुंकड़, एवं श्री केशर जैन महिला मंडल की अध्यक्ष सरला बोहरा, मंत्री पुष्पा भंडारी, कोषाध्यक्ष प्रभा सुराणा इत्यादि पदाधिकारी रूप रेखा तैयार कर रहे हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के विषम सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन 16 जुलाई से

गोरखपुर (हि.स.)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में आज विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित कमेटी हॉल में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी शैक्षिक सत्र की योजनाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत विषम सेमेस्टर (वर्क एवं PG) की कक्षाओं का संचालन 16 जुलाई 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया के संचालन की वजह से पहले स्नातकोत्तर के तृतीय सेमेस्टर एवं स्नातक के तृतीय व पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं आरंभ की जाएंगी। इस संदर्भ में कुलपति प्रो. टंडन ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी समय सारिणी तत्काल जारी करें। कुलपति ने सभी विभागों की वेबसाइट को अद्यतन करने का



निर्देश भी दिया, जिसमें समय सारिणी, पाठ्यक्रम तथा विभागीय गतिविधियों की अद्यतन जानकारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों हेतु उपलब्ध कराई जाए।

शैक्षिक सत्र प्रारंभ होने से पहले सुविधाओं की समीक्षा और व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

अधीक्षक को परिसर में साफ-सफाई को सघन रूप से लागू करने का निर्देश दिया।

कम आवेदन वाले पाठ्यक्रमों में 18-19 जुलाई को प्रथम चरण में होंगे प्रवेश

प्रवेश प्रकोष्ठ एवं विभागाध्यक्षों को यह निर्देश भी दिए गए कि जिन पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीटों की तुलना में कम आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनमें 18 एवं 19 जुलाई को प्रथम चरण के अंतर्गत प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बैठक के अंत में कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण देना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

कुंभ में खालसा लगाने वाले महामंडलेश्वर चेतनदास का देवलोकगमन, मेवाड़ में शोक की लहर

चित्तौड़गढ़ (हि.स.)। मेवाड़ के महामंडलेश्वर सांवलिया धाम आश्रम मुंगाना के महन्त चेतनदास महाराज का शुक्रवार को हृदयघात के चलते देवलोक हो गए। सुबह भी उन्होंने उनसे मिलने आए श्रद्धालुओं से बातचीत की थी, लेकिन करीब 10.15 बजे अचानक हृदयघात से उनका निधन हो गया। महन्त चेतनदास महाराज की डोल यात्रा शनिवार सुबह 8 बजे निकलेगी। आश्रम में ही उनका 11 बजे अंतिम संस्कार किया जायेगा। महाराज का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए आश्रम में रखा गया है। महन्त के निधन की खबर सुन कर मेवाड़ और मालवा में शोक की लहर दौड़ गई। मुंगाना धाम के महामंडलेश्वर संत चेतनदास के हजारों की संख्या में अनुयायी और भक्त हैं।



उनके निधन की खबर सुनने के साथ ही मुंगाना के सांवलिया धाम आश्रम में भीड़ उमड़ना शुरू हो गई और बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे हैं। महन्त के निधन की धर्मप्रेमियों और लोगों ने अपूर्णीय क्षति बताया है।

700 से ज्यादा मंदिरों का करवाया जीर्णोद्धार

मेवाड़ की शक्ति-भक्ति और त्याग की धरती पर कपासन क्षेत्र के मुंगाना के सांवलिया धाम आश्रम के महन्त शुरू से ही धर्म को लेकर समर्पित रहे हैं। धर्म और संस्कृति की स्थापना के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया।महामंडलेश्वर चेतनदास शुरू से ही उपेक्षित और जर्जर धर्म स्थलों के जीर्णोद्धार का काम करते रहे और उन्होंने अपने जीवन काल में 700 से ज्यादा मंदिरों का काया कल्प कराया। 90 वर्ष की आयु तक वे सदैव सक्रिय रहे। उनकी कथाएं सुनने और उपदेश व भजन सुनने के लिए दूर-दराज से लोग उनके पास

पहुंचते रहे हैं। यही कारण है कि सांवलिया धाम मुंगाना के महन्त चेतनदास पूरे संभाग में पूजनीय रहे हैं।

कुंभ मेले में लगते खालसा, गुरु पूर्णिमा पर 1 लाख भक्त

महामंडलेश्वर चेतनदास महाराज कुंभ के मेले में मीरा मेवाड़ खालसे का आयोजन करते रहे हैं। 33 साल पहले शुरू की गई इस परम्परा को जीवन्त रखा और हाल ही में प्रयागराज में भी मेवाड़ खालसा लगा कर हजारों श्रद्धालुओं को सुविधाएं दी है। महाराज के सरस, सरल और भक्तिमय व्यवहार के कारण मेवाड़ क्षेत्र के हर गांव-गांव में उनके शिष्य मौजूद है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक लाख से अधिक शिष्य मुंगाना धाम पहुंचते हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ देख बाग-बाग हुआ दिल : साहनी

जम्मू (हि.स.)। आन स्याट पंजीकरण के लिए बाबा बफानी के भक्तों की उमड़ रही, टोकन व पंजीकरण काउंटरो की संख्या बढ़ाने आदि के कारण सुझावों को पूरी तरह से नजरंदाज किया गया नतीजन , श्रद्धालुओं को भारी पेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसे कई बर्दश नहीं किया जा सकता। यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक दल ने आज जम्मू में आन स्याट पंजीकरण स्थल का दौरा कर श्रद्धालुओं को हो रही पेशानियों का जायजा लिया। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि आन स्याट पंजीकरण काउंटरो पर बाबा बफानी के भक्तों की भीड़ को देख दिल बाग-बाग हो रहा है और यह अपेक्षित भी

था। हमारी बेखोफ अमरनाथ यात्रा का हिस्सा बनने की अपील रंग लाई तथा श्रद्धालुओं की यह भीड़ पाक प्रयोजित आतंकवाद को मुंह तोड़ जवाब दे रही है। हम लगातार टोकन व पंजीकरण काउंटरो की संख्या बढ़ाने का सुझाव दे रहे थे मगर प्रशासन व श्राइन बोर्ड का लापरवाह रवैए जारी रहा। पंजीजन, जंगल व मुश्किल यात्रा से पूर्व यात्रियों को तपती गर्मी व हुमस में घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर होना पड़ रहा है जिससे उन्हें शारीरिक व मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। साहनी व उनकी टीम ने मौके पर उपस्थित मुग हंसा (एसडीएम), राजू समयाल (तहसील बहू फोट), अख्य शर्मा (एस पी साउथ) से मुलाकात कर बिना किसी परेशानियों के श्रद्धालुओं का आन स्याट पंजीकरण सुनिश्चित करने की मांग की गई।